मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

एक सत बुलेटिन

E-mail: eksatbulletin@gmail.com | ग्वालियर, मंगलवार 03 नवंबर 2026 | वर्ष-08, अंक-203, पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए | Website: www.eksatbulletin.in

लोकतंत्र को बचाने और अराजकता फैलाने वालों को सबक सिखाने आगे आए जनता : अर्जुनराम मेघवाल

देश व प्रदेश की जनता जानती है कि कांग्रेस पार्टी देश की सत्ता संभालने लायक नहीं बची : डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक श्री हेमंत खण्डेलवाल, केंद्रीय मंत्री श्री अर्जुनराम मेघवाल ने जबलपुर में लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ संकल्प को लेकर आयोजित ढाई कि.मी. लंबी पदयात्रा में सहभागिता कर किया संबोधित

एक सत बुलेटिन, जबलपुर

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक श्री हेमंत खण्डेलवाल, केंद्रीय मंत्री श्री अर्जुनराम मेघवाल ने सोमवार को लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ संकल्प को लेकर जबलपुर के शहीद स्मारक गोल बाजार में आयोजित ढाई कि.मी. से अधिक लंबी पदयात्रा में सहभागिता कर उमड़े एक लाख से अधिक जनसैलाब को संबोधित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि यह वही कांग्रेस पार्टी है जो नेताजी सुभाषचंद्र बोस की सगी नहीं हुई। जबलपुर में ही कांग्रेस के चुनाव में विजयी होने के बाद जवाहरलाल नेहरू को नेता घोषित किया गया था। जो नेताजी सुभाषचंद्र बोस के नहीं हुए, वह कांग्रेस नेता किसी के भी सगे नहीं हो सकते। राहुल गांधी न्याय की बात करते हैं, उनकी दादी इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले को नहीं माना और सत्ता में बने रहने के लिए देश में आपातकाल लगाकर लोकतंत्र का गला घोंटा था। मध्यप्रदेश और देश की जनता यह पूरी तरह जानती है कि कांग्रेस पार्टी देश की सत्ता संभालने लायक नहीं बची है।



मुख्यमंत्री ने मंत्री राकेश सिंह को दिया का श्रेय : मुख्यमंत्री द्वारा सार्वजनिक मंच से दो बार मंत्री श्री राकेश सिंह का उल्लेख करते हुए आयोजन की सफलता का श्रेय देना उनके संगठनात्मक कौशल, जनसंपर्क और समाज के विभिन्न वर्गों को एक मंच पर जोड़ने की क्षमता का महत्वपूर्ण प्रमाण माना जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि वर्तमान में देश के 80 प्रतिशत क्षेत्र में कांग्रेस समाप्त हो चुकी है। जिन 20 प्रतिशत क्षेत्र में कांग्रेस कुछ बची भी है, वह भी आने वाले चुनावों में समाप्त हो जाएगी। जबलपुर में उमड़े जनसौलाब ने बता दिया कि लोकतंत्र का गला घोंटने वाली कांग्रेस पार्टी का वर्ष 2029 के लोकसभा चुनाव में पूरे देश से सफाया हो जाएगा। लोकतंत्र और संविधान की दुहाई देने वाली कांग्रेस को पहले अपने इतिहास में झांकना चाहिए। जिस पार्टी ने देश पर आपातकाल थोपकर लोकतांत्रिक मूल्यों को कुचलने का काम किया, उसे आज लोकतंत्र पर उपदेश देने का नैतिक अधिकार नहीं है। जबलपुर की जनता कांग्रेस की राजनैतिक बेईमानी और उसके इतिहास को भली-भांति जानती है। कांग्रेस चुनाव में हारने के बाद कभी ईवीएम, कभी चुनाव आयोग और कभी एसआईआर को लेकर सवाल खड़े करती है। चुनाव जीतने पर लोकतंत्र की जीत और हारने पर संस्थाओं पर आरोप लगाना कांग्रेस की राजनीति का हिस्सा बन गया है। उन्होंने कहा कि देश की न्यायपालिका लोकतंत्र की मजबूत आधारशिला है और जबलपुर की धरती न्याय के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान रखती है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव यादव ने कहा कि कांग्रेस में प्रधानमंत्री का पद भी एक परिवार तक सीमित रखने की मानसिकता रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने इस धारणा को बदलते हुए एक सामान्य गरीब परिवार से आने वाले व्यक्ति के लिए देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद तक पहुंचने का रास्ता प्रशस्त किया है। आज देश की जनता परिवारवाद नहीं, बल्कि काम और नेतृत्व के आधार पर निर्णय ले रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत का मान-सम्मान दुनिया में बढ़ा है। देश विकास, सुशासन और आत्मनिर्भरता के नए आयाम स्थापित कर रहा है। कांग्रेस को जनता के इस विश्वास और जनादेश का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की रक्षा केवल राजनीतिक दलों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक का दायित्व है।

विदेशी ताकतों से धन लेकर भारत को अस्थिर करने की कोशिश करने वालों को बेनकाब करें : खण्डेलवाल

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष श्री हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का विरोध करने वाले राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी को यह मालूम होना चाहिए कि कांग्रेस के शासनकाल में कई बार एसआईआर हुआ है। भाजपा के शासनकाल में एक बार श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी और दूसरी बार प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के कार्यकाल में ही एसआईआर हुआ है। इसके अलावा आजादी के बाद जितने भी एसआईआर देश में हुए हैं, सभी कांग्रेस के शासनकाल में हुए हैं। बैलेट से चुनाव हारने वाली कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गांधी सबसे अधिक चुनाव हारने के मामले में विश्व के सबसे बड़े नेता बन गए हैं। विदेशी ताकतों से धन से लेकर भारत को अस्थित करने की कोशिश करने वालों को जनता बेनकाब करे। केंद्रीय मंत्री श्री अर्जुनराम मेघवाल ने कहा कि राहुल गांधी लोकतांत्रिक संस्थाओं को धमकाकर देश में अराजकता फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। कांग्रेस पार्टी और उसके नेता अपनी साख खो चुके हैं, इसलिए संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठा रहे हैं। लोकतंत्र को बचाने और अराजकता फैलाने वालों को सबक सिखाने के लिए जनता आगे आए।

ढाई किलोमीटर के मार्ग पर 55 मंचों से हुआ ऐतिहासिक स्वागत

'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा का एक अत्यंत आकर्षक और उल्लेखनीय पक्ष यह रहा कि ढाई किलोमीटर लंबे मार्ग पर विभिन्न सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक एवं व्यापारिक संगठनों द्वारा कुल 55 स्वागत मंच स्थापित किए गए। इन मंचों के माध्यम से पदयात्रा में शामिल अतिथियों, जनप्रतिनिधियों और सहभागियों का पुष्पवर्षा, माल्यार्पण, अभिनंदन एवं आत्मीय स्वागत किया गया। पूरे मार्ग पर उत्साह और उल्लास का वातावरण दिखाई दिया। समाज के विभिन्न वर्गों ने अपने-अपने मंचों के माध्यम से आयोजन के प्रति समर्थन और सहभागिता व्यक्त की। व्यापारिक क्षेत्रों में विशेष उत्साह रहा, वहीं सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों ने भी बढ़-चढ़कर स्वागत किया। यह दृश्य जबलपुर की सामाजिक एकता, आपसी सद्भाव और सामूहिक सहभागिता का जीवंत उदाहरण बना। पदयात्रा का स्वागत करने वाले संगठनों में सुप्रभातम परिवार, श्री दत्त भजन मंडल, नगर पंडित पुरोहित आचार्य मंच, सर्वमंगला आम्ही सगले एक आहोत, दिगम्बर जैन पंचायत सभा, जिला कुर्मी क्षत्रिय समाज, सिख संगत, पंजाबी महासंघ, चौरसिया समाज, राष्ट्रवादी अग्रवाल मंच, साहू समाज, इंडियन कॉफी हाउस, भारतीय व्यापार उद्योग व्यापार मंडल, सुदर्शन समाज, गंजीपुरा व्यापारी संघ, अंतरराष्ट्रीय श्याम बैंड परिवार, लॉर्डगंज व्यापारी संघ आदि रहे।

यूपी: मुख्यमंत्री योगी बोले-

अग्निवीरों को पुलिस-पीएसी समेत अन्य विभागों में मिलेगा 20 प्रतिशत आरक्षण



एजेन्सी, नई दिल्ली

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि चार साल की सैन्य सेवा पूरी कर लौटने वाले अग्निवीरों को प्रदेश में पुलिस, पीएसी समेत विभिन्न विभागों की भर्तियों में 20 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा। उन्हें भर्ती के लिए परीक्षा नहीं देनी होगी, बल्कि सीधे नियुक्ति दी जाएगी। इससे अग्निवीरों को सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर मिलेगा।

सोमवार को छपिया के तेजपुर में आयोजित जनसभा में मुख्यमंत्री ने युवाओं को रोजगार देने के मुद्दे पर भी सरकार की योजनाएं गिनाईं। उन्होंने कहा कि उन्होंने अखिलेश यादव से कहा था कि गिनती आती है तो गिन लें, अगले छह माह में एक लाख युवाओं को नौकरी दी जाएगी। अब तक 12 से 15 हजार लोगों को नियुक्ति पत्र दिए जा चुके हैं। करीब 4,500 उपनिरीक्षकों, 45 हजार पुलिस कांस्टेबलों और 42 हजार होमगार्डों को नियुक्ति पत्र देने की तैयारी है। शिक्षकों के साथ अन्य विभागों में भी भर्तियां की जाएंगी।

पदक लाओ, हमसे पद पाओ: मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि सरकार की नीति है- पदक लाओ, हमसे पद पाओ। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के माध्यम से खिलाड़ियों को भी नियुक्तियां दी जा रही हैं। उन्होंने बताया कि खिलाड़ियों को डिप्टी एसपी और खेल अधिकारी जैसे पदों पर नियुक्त किया गया है।

सरकार बोली- हिंसा के पीछे हसीना के लोग

बांग्लादेश में ढाई गुना वेतन की मांग के लिए प्रदर्शन: मजदूरों की सुरक्षाकर्मियों से झड़प

एजेन्सी, ढाका

बांग्लादेश में कपड़ा मजदूर ढाई गुना वेतन बढ़ाने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। सोमवार को कई जगह पुलिस से उनकी झड़प हुई। प्रदर्शनकारियों ने सड़कें जाम कीं और पुलिस की गाड़ियों समेत कई वाहनों में आग लगा दी। पुलिस ने उन्हें हटाने के लिए आंसू गैस और पानी की बौछार का इस्तेमाल किया।

प्रदर्शन के चलते ढाका, गाजीपुर और मयमनसिंह में करीब 670 फैक्ट्रियां बंद रहीं। रविवार को भी 529 फैक्ट्रियों में काम बंद था। गृह मंत्री सलाहुद्दीन अहमद ने आरोप लगाया कि पूर्व पीएम शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग से जुड़े कुछ फैक्ट्री मालिक हिंसा भड़का रहे हैं। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, प्रदर्शनकारियों ने गाजीपुर के औद्योगिक इलाके से



गुजरने वाला ढाका-टांगाइल हाईवे जाम कर दिया। इस दौरान पुलिस की तीन वैन और कई दूसरे वाहनों में आग लगा दी गई।

ढाका से नारायणगंज जाने वाली सड़क पर भी प्रदर्शनकारियों ने रास्ता रोका और वाहनों के टायर जलाए। इन घटनाओं में बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश के कम से कम दो जवान और कई अन्य लोग घायल हुए। घायलों में पत्रकार भी शामिल हैं।

एक महीने में करीब 40 हजार सस्ती हुई

सोना 2530 सस्ता, चांदी 1372 घटकर 1.80 लाख/किलो

एजेन्सी, नई दिल्ली

दिवाली से पहले सोने-चांदी के दाम में गिरावट जारी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, आज 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 2530 रुपए गिरकर 1.38 लाख रुपए आ गया है।

वहीं एक किलो चांदी 1372 रुपए घटकर 1.80 लाख रुपए पर आ गई है। शुक्रवार को सोना 1.40 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी 1.81 लाख रुपए किलो बिक रही थी।

अक्टूबर में सोना 8,084 रुपए और चांदी 39,485 रुपए सस्ती हुई है। एक अक्टूबर 2026 को एक किलो चांदी के दाम 2.20 लाख रुपए और 10 ग्राम सोना 1.48 लाख रुपए पर थे। सोना-चांदी की कीमत में गिरावट अंतरराष्ट्रीय बाजार में डॉलर मजबूत होने और बड़े निवेशकों



के ऊंचे दामों पर बिकवाली करने से हो रही है।

क्या यह गिरावट लंबी चलेगी?

कमोडिटी एक्सपर्ट अजय केडिया मानते हैं कि सोने-चांदी की खरीदारी किश्तों में करें। कुछ अभी खरीद लें और कुछ-कुछ 15-20 दिन के अंतराल पर। निवेश के लिए एक-दो महीने के बजाय 6 महीने से लेकर एक साल तक सोच कर खरीदारी करें।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का कांग्रेस पर हमला

'अराजकता से सत्ता हासिल करना चाहती है कांग्रेस'

एजेन्सी, नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वह लगातार चुनावी हार का सामना करने के बाद 'अराजकता' के जरिये सत्ता हासिल करने और 'लोकतंत्र को कमजोर करने' की कोशिश कर रही है। उन्होंने यहां अपनी 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा से पहले 'एक्स' पर एक पोस्ट में यह बात कही। उन्होंने कहा, 'नागरिकों ने इन हमलों से अपने लोकतंत्र की रक्षा करने के लिए कमर कस ली है'।

कहां से कहां तक निकलेगी पदयात्रा?

अमित शाह सोमवार शाम इस पदयात्रा का नेतृत्व कर रहे हैं। यह पदयात्रा बशीरबाग स्थित बाबू जगजीवन राम की प्रतिमा से शुरू हुई। यहां मोअज्जम जही मार्केट तक जाएगी। शाह सोमवार दोपहर को यहां बेगमपेट हवाई अड्डे पहुंचे। वह पदयात्रा में शामिल होने के लिए यहां आए हैं। केंद्रीय कोयला मंत्री जी किशन रेड्डी और तेलंगाना भाजपा के अन्य नेताओं ने हवाई अड्डे पर शाह का गर्मजोशी से स्वागत किया। हवाई अड्डे पहुंचने के तुरंत बाद शाह ने यहां चारमीनार स्थित देवी भाग्यलक्ष्मी मंदिर में दर्शन किए।

पदयात्रा में जनता को संबोधित करते हुए गृह मंत्री ने कहा, आज मैं हैदराबाद की इस पवित्र भूमि पर लोकतंत्र बचाओ अराजकता हटाओ रैली में आप सभी का स्वागत करता हूं। मैं सबसे पहले मां भाग्य लक्ष्मी के चरणों में प्रणाम करता हूं और सरदार पटेल साहब को भी मनपूर्वक नमन कर अपनी बात की शुरूआत करता हूं।

उन्होंने कहा, अगर सरदार उस वक्त निजाम को न झुकाते तो हैदराबाद आज भारत का हिस्सा न होता। वो सरदार साहब ही थे, जिन्होंने हैदराबाद के निजाम को झुकाकर हैदराबाद को भारत का हिस्सा बनाया। तेलंगाना को भारत का हिस्सा बनाया। मैं महान स्वतंत्रता सेनानी कोमराम भीम और रामजी गौड को भी मनपूर्वक प्रणाम करता हूं।



इंडिया ब्लॉक की रैली को लेकर शाह ने कहा, आज हैदराबाद में हजारों-हजारों की संख्या सड़क पर खड़ी है। कल दिल्ली में भी एक रैली हुई थी। राहुल जी की रैली हुई थी। इन्होंने कहा वोट बचाओ रैली है। ये वोट बचाओ रैली नहीं थी, घुसपैठिया बचाओ रैली थी। कांग्रेस पार्टी एसआईआर को रोककर देश की मतदाता सूची से बांग्लादेशी घुसपैठियों को बचाना चाहती है। मगर मैं आज कहने आया हूं राहुल जी, रेवंत रेड्डी जी जितना जोर लगाना है लगा लो..भारतीय जनता पार्टी एक-एक घुसपैठिए को मतदाता सूची और देश से बाहर निकालकर ही दम लेगी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की इन टिप्पणियों में रविवार को दिल्ली के रामलीला मैदान में हुई इंडिया ब्लॉक की रैली का जवाब दिए जाने की उम्मीद थी। इस रैली में गठबंधन ने भाजपा की आलोचना की थी। इंडिया ब्लॉक ने रविवार को कथित 'वोट चोरी' के आरोपों को लेकर भाजपा को सत्ता से हटाने की मांग की थी।

वोट चोरी के आरोपों पर क्या कहा?

उन्होंने जनता से पूछते हुए कहा, क्या घुसपैठियों को देश से बाहर निकालना चाहिए या नहीं निकालना चाहिए? एसआईआर करना चाहिए या नहीं करना चाहिए? पूरी की पूरी कांग्रेस एंड कंपनी एसआईआर को रोकने पर लगी है, क्योंकि ये जो घुसपैठिए हैं, उनकी वोट बैंक हैं। मगर हम भाजपा के कार्यकर्ता मजबूती के साथ एसआईआर के साथ खड़े हैं। इस देश में वही वोट डाल पाएगा जो इस देश का नागरिक है।

उन्होंने आगे कहा, ये राहुल (गांधी) बाबा कहते हैं कि 13 करोड़ वोट काट दिए हैं। ये झूठ बोल रहे हैं। 13 करोड़ वोट में से छह करोड़ ऐसे है,जो दूसरी जगह रहने चले गए हैं। मुझे बताओ भाई, जो दूसरी जगह रहने चला गया हो, उसे दो जगह वोट देने का अधिकार है क्या? करीब तीन करोड़ लोग ऐसे हैं, जिनकी मृत्यु हो गई है। अब जिनकी मृत्यु हो गई है, उन्हें हटाना चाहिए या नहीं हटाना चाहिए? राहुल जी, जो है ही नहीं, उनका वोट कौन आकर देगा। कांग्रेस पार्टी बोगस वोटिंग करके चुनाव हथियाना चाहती है। भाइयों-बहनों, एक करोड़ वोट ऐसे हैं, जिनकी डुप्लीकेट प्रविष्टि (एंट्री) है। अगर एक व्यक्ति के दो वोट हों, तो एक रद्द करना चाहिए या नहीं करना चाहिए?

जबलपुर पहुंचे उप मुख्यमंत्री ने टीआई की मौत पर दुख जताते हुए दिया भरोसा

अपराधी किसी भी दल का हो, उसके खिलाफ कार्रवाई में कोई रियायत नहीं होगी: देवड़ा

■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर



प्रदेश के उप मुख्यमंत्री, आबकारी मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री जगदीश देवड़ा के जबलपुर आगमन पर देवास जिले की एक दर्दनाक घटना को लेकर तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है। देवास जिले में अवैध शराब की तस्करी रोकने के दौरान कर्तव्य का पालन करते हुए शहीद हुए थाना प्रभारी दिलीप पुरी की मौत पर उप मुख्यमंत्री ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी है कि कानून के हाथ बहुत लंबे हैं और इस जघन्य कृत्य में शामिल किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। दिवंगत टीआई को दी श्रद्धांजलि, कर्तव्यनिष्ठा को किया नमन जबलपुर पहुंचे प्रभारी मंत्री जगदीश देवड़ा ने मीडिया प्रतिनिधियों से अनौपचारिक चर्चा के दौरान दिवंगत टीआई दिलीप पुरी को अपनी नम आंखों से श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि निरीक्षक दिलीप पुरी ने अपनी जान की परवाह न किए बिना पूरी बहादुरी और कर्तव्यनिष्ठा के साथ अपने फर्ज का निर्वहन किया है। इस दुखद घड़ी में पूरी सरकार और शासन तंत्र शोक संतप्त परिवार के साथ पूरी मजबूती से खड़ा है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि दिवंगत अधिकारी के बलिदान को व्यर्थ नहीं जाने दिया जाएगा और उनके परिवार को हरसंभव न्याय व सहायता प्रदान की जाएगी। आबकारी अधिनियम के कठोर प्रावधानों के तहत होगी कार्रवाई अपराधियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए उप मुख्यमंत्री ने दो टूक कहा कि अपराधी चाहे किसी भी राजनीतिक दल, संगठन या रसूखदार वर्ग से ताल्लुक रखता हो, उसके खिलाफ की जाने वाली कानूनी कार्रवाई में किसी भी प्रकार की रियायत या ढिलाई नहीं बरती जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार इस मामले को लेकर बेहद गंभीर है और प्रदेश में अवैध शराब के कारोबार व माफियाओं के खिलाफ निर्णायक जंग लड़ी जा रही है। इस प्रकरण में आबकारी अधिनियम के सबसे कठोर प्रावधानों को लागू किया जाएगा, जिसके तहत दोषियों के लिए आजीवन कारावास से लेकर फांसी तक की सजा का कानूनी प्रावधान सुनिश्चित किया गया है। क्या थी पूरी घटना?

गौरतलब है कि यह दर्दनाक हादसा सोमवार तड़के इंदौर-बैतूल हाईवे पर नेमावर रोड के पास उस समय पेश आया जब पुलिस महकमा अवैध शराब के परिवहन की पुख्ता सूचना पर सतर्क था। पुलिस की अलग-अलग टीमें संदिग्ध वाहनों की सघन जांच और नाकाबंदी कर रही थीं। इसी दौरान एक संदिग्ध आयशर वाहन वहां से गुजरा, जिसे रोकने के लिए खातेगांव थाना प्रभारी दिलीप पुरी ने अपनी टीम के साथ प्रयास किया। वाहन चालक ने पुलिस के रोकने के बावजूद गाड़ी रोकने की बजाय रफ्तार बढ़ा दी और थाना प्रभारी को कुचलते हुए फरार हो गया। वाहन की चपेट में आने से थाना प्रभारी दिलीप पुरी की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई थी, जिसके बाद से पूरे पुलिस महकमे और क्षेत्र में आक्रोश का माहौल है।

दीपावली महोत्सव कार्यशाला में विद्यार्थियों ने सीखी सजावटी सामग्री बनाने की कला



■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के कौशल विकास संस्थान में दीपावली महोत्सव के तहत दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला शुरू हुई। प्रथम दिवस 2 नवंबर को विद्यार्थियों को दीपक सज्जा, पूजा की थाली डेकोरेशन, रंगोली, मेहंदी, पारंपरिक तोरण और वंदनवार बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। इसके अलावा वेस्ट टू बेस्ट हस्तशिल्प निर्माण और चित्रांकन की गतिविधियां भी आयोजित की गईं। श्रीमती रिया ओबेरॉय एवं सुश्री मौसमी गौतम ने विद्यार्थियों को प्रशिक्षण दिया। कार्यशाला 3 नवंबर को भी जारी रहेगी। इसमें विश्वविद्यालय एवं संबद्ध महाविद्यालयों के विद्यार्थी निःशुल्क भाग ले रहे हैं। प्रशिक्षण पूरा करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र दिए जाएंगे। विद्यार्थियों द्वारा तैयार हस्तनिर्मित सजावटी वस्तुओं की प्रदर्शनी 4 और 5 नवंबर को पंडित कुंजीलाल दुबे प्रेक्षागृह में लगाई जाएगी। कार्यशाला का आयोजन कौशल विकास संस्थान के निदेशक प्रो. अलका नायक के मार्गदर्शन में विज्ञान भवन में किया जा रहा है। कुलगुरु प्रो. राजेश कुमार वर्मा ने विद्यार्थियों की कलाकृतियों की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन पारंपरिक भारतीय कला और संस्कृति को बढ़ावा देने के साथ विद्यार्थियों के कौशल विकास में सहायक हैं।

विश्वविद्यालय प्रदर्शनी के माध्यम से विद्यार्थियों के उत्पादों को उचित मूल्य पर लोगों तक पहुंचाने का प्रयास भी कर रहा है। विशिष्ट अतिथि प्रो. राकेश बाजपेयी ने भी विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम संयोजक डॉ. अजय मिश्रा सहित डॉ. मीनल दुबे, सुश्री जोफिजा मनसब, सुश्री रविता सिंह, आर्किटेक्ट गुणित वैद्य, सविता पहारिया एवं पंजीकृत विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सियाज कार से गांजा ला रहे थे तस्कर रांझी पुलिस ने घेराबंदी कर पकड़ा

■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर

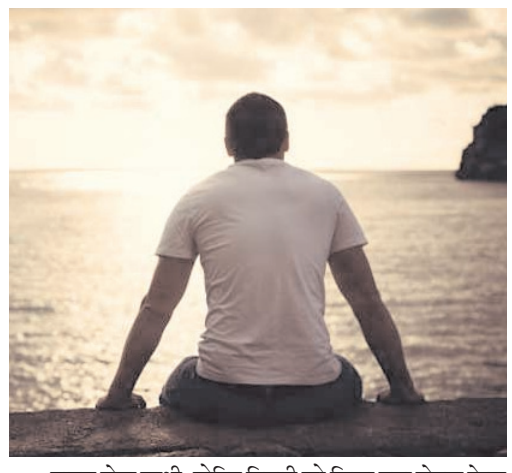


ठ एक सत बुलेटिन, जबलपुर

जबलपुर में रांझी पुलिस ने चेकिंग सियाज कार से गांजा लेकर आ रहे दो तस्करों को पकड़ा है, जिनके पास से करीब ढाई लाख रुपए का गांजा बरामद किया है। रांझी टीआई उमेश गोल्हानी ने बताया कि सियाज कार क्रमांक एमपी 09 बी जेड 5227 में गांजा की खेप लेकर बालकिशन पिता भगत सिंह नागवंशी उम्र 36 वर्ष निवासी ग्राम बीजनवाड़ा पिपरिया जिला नर्मदापुरम व मनीष कुमार रजक उम्र 25 वर्ष निवासी कुदवारी काली मंदिर के पास गोहलपुर, आनंद श्रीवास उम्र 24 वर्ष निवासी खेरमाई मंदिर के पास अमखेरा गोहलपुर शहर की ओर निकले, जब वे रांझी की ओर बढ़ रहे थे, इस दौरान पुलिस ने चेकिंग के दौरान कार को रोककर तलाशी ली तो उसमें गांजा के पैकेट मिले। पुलिस को पूछताछ में कार चालक बालकिशन नागवंशी ने बताया कि पचमढ़ी से 4 सवारी लेकर भेड़ाघाट से जंगल रिसोर्ट कान्हा किसली से अमरकटंक में चारों सवारी को अमरकटंक इन होटल में छोड़कर वापस पिपरिया जा रहा था रास्ते में डिण्डौरी में उक्त दोनों लड़के अपने अपने हाथ में बैग लिये थे जो उसे हाथ देकर रोके तथा बताये कि हमारी बस छूट गयी है जबलपुर तक जाना है इसलिये उसने दोनों को जबलपुर तक अपनी कार में बैठाया है जिन्होंने उसे 500 रूपये देने के लिये बोला था। दोनों आरोपियों के कब्जे से प्राप्त गांजा की तौल करने पर 5 किलो 131 ग्राम गांजा कीमती 2 लाख 56 हजार 500 रूपये का होना पाया गया, दोनों आरोपियों के कब्जे से 5 किलो 131 ग्राम गांजा, गांजा कहां से एवं किससे प्राप्त है।

अकेलेपन और मानसिक परेशानी से जूझ रहे लोगों की बात सुनेगा जय जगन्नाथ मिशन

■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर



अकेलेपन और मानसिक परेशानी से गुजर रहे लोगों को भावनात्मक सहारा देने के उद्देश्य से जय जगन्नाथ मिशन अन्तर्राष्ट्रीय ने 'बातचीत सबसे अच्छी दवा' अभियान शुरू किया है। इसके तहत ऐसे लोग मिशन के पदाधिकारियों और मन संवाद साथियों को फोन कर बुला सकेंगे। मिशन के प्रतिनिधि उनसे बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनेंगे और भावनात्मक व आध्यात्मिक सहयोग देने का प्रयास करेंगे। मिशन के आध्यात्मिक मार्गदर्शक एवं संस्थापक डॉ. पुरुषोत्तम तिवारी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में इस पहल के साथ ही 'श्री जगन्नाथ अर्जी पात्र' स्थापित करने का भी निर्णय लिया गया। इसके तहत विभिन्न धार्मिक एवं आध्यात्मिक स्थलों और भक्त निवासों में अर्जी पात्र रखे जाएंगे, जिनमें श्रद्धालु अपनी मनोकामनाएं, प्रार्थनाएं और भावनाएं लिखकर समर्पित कर सकेंगे।

बैठक में मिशन के प्रदेश, जिला और शहर स्तर के पदाधिकारियों को भी जिम्मेदारियां सौंपी गईं। शरद काबरा को प्रदेश चेतना मार्गदर्शक, रामजी अग्रवाल को प्रदेश सेवा समन्वयक, बृजबिहारी शर्मा को जिला चेतना संयोजक और सन्तोष पटैल को जिला सेवा समन्वयक बनाया गया। मुकेश साहू को जिला जनसहभागिता संयोजक, सन्तोष नेमा 'सन्तोष' को जिला मन संवाद साथी, राजीव तिवारी (बंटी) को जिला आध्यात्मिक चेतना संयोजक, विनय उपाध्याय को जिला मानव सेवा साथी, मोहित तिवारी को जिला युवा चेतना प्रेरक और सोनिया वाक्लकर को जिला महिला सशक्तिकरण सहभागिता प्रेरक का दायित्व दिया गया। सचिन यादव को जिला डिजिटल सेवा साथी, अरविन्द खरे को जिला वित्त एवं अभिलेख संरक्षक और हरिओम हज़ारी को व्यवस्था संयोजक बनाया गया। शहर स्तर पर कार्तिक पाण्डेय को युवा चेतना प्रेरक, चन्द्रभान अनाड़ी को चेतना संयोजक, अभय तिवारी को सेवा समन्वयक, राजेश साहू को मानव सेवा साथी और मनोहर सोनी को सांस्कृतिक संयोजक की जिम्मेदारी सौंपी गई।

त्यौहार से पहले शहर में लुटेरे सक्रिय, घमापुर में चैन लूटी, सिविल लाइन में मोबाइल फोन

■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर



जबलपुर में दीवाली के त्यौहार के पहले लुटेरे सक्रिय हो गए है, जो भीड़भाड़ का फायदा उठाकर लूट की वारदातों को अंजाम दे रहे है। घमापुर में अधेड़ व्यक्ति को धक्का देकर बदमाशों ने सोने की चैन लूट ली। इसी तरह सिविल लाइन में डाक विभाग के कर्मचारी का मोबाइल फोन छीन लिया गया। पुलिस ने दोनों ही मामलों में आरोपियों की तलाश शुरु कर दी है। पुलिस के अनुसार पूर्वी करिया पाथर बाई का बगीचा घमापुर निवासी 52 वर्षीय प्रभाकर गायकवाड़ प्राइवेट काम करते हैं। बीती रात लगभग 9:45 बजे वे अपने काम से पैदल वापस घर जाने के लिए निकले, जब वे कल्लू साहू के घर के सामने से गुजर रहे थे, इस दौरान तीन बदमाश आए और प्रभाकर को धक्का देकर गिरा गया, वे सम्हल पाते इससे पहले एक ने गले से सोने की चैन लूटी और भाग निकला। प्रभाकर ने शोर मचाते हुए पीछा किया लेकिन लुटेरे भाग चुके थे। पुलिस ने प्रभाकर गायकवाड़ की रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरु कर दी है। इसी तरह सिविल लाइन प्रस्टीज अपार्टमेंट साउथ सिविल लाइन निवासी 27 वर्षीय प्रशांत जांगड़ा प्रधान डाक घर, जबलपुर में डाक सहायक के पद पर पदस्थ हैं। बीती शाम लगभग 7 बजे वे अपने घर से पैदल इलाहाबाद बैंक चौराहे की तरफ जा रहे थे। अभी वे सिविल लाइन गेट के ठीक सामने मुख्य सड़क पर पहुंचे ही थे कि पीछे से एक बाइक पर सवार होकर दो अज्ञात बदमाश तेज रफ्तार से आए। बाइक पर पीछे बैठे बदमाश ने चलती गाड़ी से ही प्रशांत के दाहिने हाथ पर झपट्टा मारा और उनके हाथ में रखा एप्पल कंपनी का कीमती मोबाइल लूटकर भाग निकले।

दीपावली से पहले बिजली कर्मचारियों ने दोहरे वेतन और रात्रि भत्ते के भुगतान की उठाई मांग

■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर



मध्य प्रदेश विद्युत मंडल तकनीकी कर्मचारी संघ ने मैदानी कर्मचारियों के लंबित दोहरे पारिश्रमिक और रात्रि ड्यूटी भत्ते का भुगतान दीपावली से पहले करने की मांग की है। प्रांतीय महासचिव हरेंद्र श्रीवास्तव के नेतृत्व में हुई समीक्षा बैठक में नियमित, संविदा और आउटसोर्स कर्मचारियों की समस्याओं पर चर्चा की गई। संघ ने पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के जबलपुर, सागर, रीवा और शहडोल रीजन के मुख्य अभियंताओं को पत्र भेजकर बताया कि पिछले एक वर्ष से कर्मचारियों से सार्वजनिक और साप्ताहिक अवकाश के दिनों में भी लगातार काम लिया गया, लेकिन नियमानुसार मिलने वाला अतिरिक्त पारिश्रमिक और रात्रि ड्यूटी भत्ता अब तक नहीं दिया गया है। संघ पदाधिकारियों ने कहा कि चौबीसों घंटे बिजली आपूर्ति बनाए रखने वाले मैदानी कर्मचारियों को उनके देय भुगतान से वंचित रखना उचित नहीं है। संगठन ने दीपावली से पहले समस्त बकाया राशि का एकमुश्त भुगतान करने की मांग की है, ताकि कर्मचारियों और उनके परिवारों को भी त्योहार मनाने में आर्थिक परेशानी न हो। बैठक में केएन लोखंडे, एसके शाक्य, एसके मौर्य, शशि उपाध्याय, दशरथ शर्मा, मोहन दुबे, राजकुमार सैनी, अजय कश्यप, विनोद दास, लखन सिंह राजपूत और संदीप दीपंकर उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय पराली प्रबंधन समिति की बैठक

हार्वेस्टर में स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम लगाना अनिवार्य : कलेक्टर

■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर



कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय पराली प्रबंधन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर कलेक्टर नीता राठौर, शैलेंद्र सिंह, रविशंकर राय, उप संचालक कृषि उमेश कटहरे, इंदिरा त्रिपाठी तथा संबंधित विभागों के अधिकारी एवं हार्वेस्टर संचालक उपस्थित थे। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने कहा कि धान की कटाई शुरू होने के साथ ही पराली जलाने की घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है। जबलपुर जिला प्रदेश के उन पांच जिलों में शामिल है, जहां पराली जलाने की घटनाएं सर्वाधिक दर्ज की जाती हैं। पिछले वर्ष पूरे संभाग में भी ऐसी घटनाओं की संख्या तीन हजार से अधिक रही। उन्होंने कहा कि इस स्थिति में बदलाव लाने के लिए सभी संबंधित विभागों, किसानों और कृषक संगठनों को मिलकर प्रयास करने होंगे। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिले में संचालित होने वाले सभी हार्वेस्टर में स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम (एसएमएस) लगाना अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जाए। इसके लिए क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी एवं राजस्व अधिकारियों के बीच समन्वय स्थापित कर हार्वेस्टरों की जांच और निगरानी की जाए। बिना एसएमएस के संचालित होने वाले हार्वेस्टरों की जानकारी तत्काल संबंधित अधिकारियों को उपलब्ध कराने तथा पराली प्रबंधन के लिए जारी प्रतिबंधात्मक आदेश का अक्षरशः पालन सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि जिले में उपलब्ध बेलर्स का अधिकतम उपयोग कर खेतों से पराली एकत्रित की जाए।

नर्मदापुरम सांसद चौधरी दर्शन सिंह सहित अतिथियों ने किया व्यास पूजन

बेटियां पिता का मान बढ़ाएं, युवा गलत संगति से बचें और भगवत भक्ति में लगाएं मन : विपिन बिहारी जी

■ एक सत बुलेटिन, गोटेगांव।



मणि नागेंद्र सिंह फाउंडेशन एवं पटेल परिवार के तत्वावधान में आयोजित संगीतमय श्रीमद्भागवत महापुराण सप्ताह ज्ञान यज्ञ में चतुर्थ दिवस श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के साथ संपन्न हुआ। कथा व्यास पं. विपिन बिहारी जी महाराज ने श्रद्धालुओं को धर्म, संस्कार, पारिवारिक मर्यादा और भगवत भक्ति का महत्व बताते हुए कहा कि बेटियां ऐसा आचरण करें जिससे पिता का मान-सम्मान बढ़े और युवा गलत संगति तथा क्षणिक आकर्षण से दूर रहकर अपना मन भगवान की भक्ति में लगाएं। महाराज श्री ने कहा कि जिस स्थान पर भगवान के नाम का स्मरण, भजन-कीर्तन और पूजन नहीं होता, वहां का वातावरण आध्यात्मिक दृष्टि से उचित नहीं माना जाता। जीवन में ऐसे संबंधों और मोह का कोई औचित्य नहीं है, जहां भगवान के चरणों के प्रति प्रेम और भक्ति का भाव न हो। उन्होंने विभीषण द्वारा रावण का साथ छोड़ने, भरत द्वारा माता कैकेयी के अनुचित निर्णय का विरोध करने और भक्त प्रह्लाद द्वारा पिता हिरण्यकश्यप के अधर्म के सामने भी अपनी भक्ति पर अडिग रहने के प्रसंगों के माध्यम से धर्म और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। बेटियों को संस्कारों और पारिवारिक मर्यादाओं का महत्व समझाते हुए उन्होंने कहा कि बेटियां अपने आचरण से परिवार की प्रतिष्ठा बनाए रखें और ऐसा कोई कार्य न करें जिससे माता-पिता को समाज में अपमानित होना पड़े। वहीं युवाओं को संदेश देते हुए कहा कि क्षणिक प्रेम, आकर्षण और गलत संगति के कारण अपने परिवार की प्रतिष्ठा को ठेस नहीं पहुंचानी चाहिए। व्यक्ति का मन यदि प्रभु की भक्ति में लगा रहता है तो वह गलत संगति और बुराइयों से स्वयं को बचा सकता है। कथा के दौरान पं. विपिन बिहारी जी महाराज ने भगवान के अवतार की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि जब-जब धरती पर धर्म की हानि और अधर्म का प्रकोप बढ़ता है, तब भगवान धर्म की स्थापना के लिए अवतार लेते हैं। इसी क्रम में उन्होंने कंस के अत्याचार, भगवान श्रीकृष्ण के अवतरण और श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन किया। कथा श्रवण कर श्रद्धालु भक्ति भाव में सराबोर नजर आए। चतुर्थ दिवस की कथा में नर्मदापुरम सांसद चौधरी दर्शन सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष पं. रामस्नेही पाठक, सुबोध जैन जबलपुर सहित अन्य अतिथियों ने व्यासपीठ पर पहुंचकर पूजन-अर्चन किया। आयोजन की ओर से जालम सिंह पटेल एवं श्रीमती सुमनलता पटेल ने कथाव्यास पं. विपिन बिहारी जी महाराज का विधिवत व्यास पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। मणि नागेंद्र सिंह फाउंडेशन के सचिव इंजीनियर सरदार सिंह पटेल ने श्रद्धालुओं से कथा के शेष दिवसों में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्मलाभ लेने की अपील की।

न्यूज ब्रीफ

ग्वालियर के छ॥ में ञ्जस्ग्ज और पीडियाट्रिक ईको मशीनें खराबः

ग्वालियर ग्वालियर के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल जयारोग्य अस्पताल (जेएएच) में मरीजों को जरूरी जांच के लिए निजी सेंटरों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। यहां कार्डियोलॉजी विभाग में ट्रेडमिल टेस्ट (टीएमटी) और बच्चों के दिल की जांच करने वाली पीडियाट्रिक ईको मशीन करीब एक साल से बंद पड़ी हैं। इससे हार्ट के मरीजों के साथ नवजात और छोटे बच्चों की जांच भी प्रभावित हो रही है। डॉक्टर जांच कराने की सलाह देते हैं, लेकिन अस्पताल में मशीनें उपलब्ध नहीं होने से मरीजों को निजी सेंटरों पर जाना पड़ता है। वहां एक जांच के लिए 1500 से 3000 रुपए तक खर्च करने पड़ रहे हैं। जेएएच में ग्वालियर-चंबल संभाग के अलावा टीकमगढ़, दतिया, राजस्थान और आसपास के जिलों से बड़ी संख्या में मरीज इलाज कराने पहुंचते हैं। इनमें हृदय रोग से पीड़ित मरीज भी शामिल हैं। टीएमटी मशीन बंद होने से मरीजों को ट्रेडमिल टेस्ट के लिए निजी सेंटरों पर जाना पड़ रहा है। इस जांच से शारीरिक गतिविधि के दौरान दिल की कार्यक्षमता और सीने में दर्द जैसी समस्याओं का पता लगाने में मदद मिलती है। वहीं, पीडियाट्रिक ईको जांच नवजात और छोटे बच्चों के दिल में जन्मजात छेद, वाल्व की खराबी और दिल की बनावट से जुड़ी समस्याओं की पहचान के लिए जरूरी है। करीब तीन महीने पहले शिवपुरी मेडिकल कॉलेज से ईको मशीन ग्वालियर लाने का प्रस्ताव रखा गया था। इसके पीछे तर्क था कि वहां कार्डियोलॉजिस्ट नहीं होने से मशीन का उपयोग नहीं हो रहा है। हालांकि, बताया जा रहा है कि शिवपुरी मेडिकल कॉलेज ने मशीन देने से इनकार कर दिया। वहां से कहा गया कि मशीन का उपयोग किया जा रहा है।

कमरे में फंदे पर लटकी मिली 39 वर्षीय महिला

ग्वालियर ग्वालियर जिले के डबरा में बुजुर्ग रोड स्थित किराए के मकान में रहने वाली 39 वर्षीय महिला की फंदे से लटकने से मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर डबरा सिटी पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। डॉक्टरों के पैनल ने शव का पोस्टमार्टम किया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, मालती झा बुजुर्ग रोड पर राकेश शर्मा के मकान में किराए से रहती थीं। वह डबरा के ओम नमकीन भंडार में नौकरी करती थीं। सोमवार को वह घर के कमरे में फंदे से लटकी मिलीं। उनके बेटे दीपक झा की नजर उन पर पड़ी। उसने तत्काल उन्हें फंदे से नीचे उतारा, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलने पर डबरा सिटी पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। घटनास्थल पर मौजूद कमरे को भी सील किया गया है। डबरा सिटी थाना प्रभारी संजय शर्मा ने बताया कि बुजुर्ग रोड स्थित किराए के मकान में रहने वाली महिला की फंदे से लटकने से मौत हुई है। शव का पोस्टमार्टम करा दिया गया है। मामले में मर्ग कायम कर जांच की जा रही है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आरक्षक के नाम से वायरल हुईं वॉट्सएप कॉल रिकॉर्डिंग

ग्वालियर ग्वालियर के कंपू थाने में पदस्थ आरक्षक वीरभान सिंह के नाम से दो वॉटसएप कॉल रिकॉर्डिंग रविवार रात को सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। इन रिकॉर्डिंग में तीन ट्रैक्टर संचालित करने वाला ऑपरेटर अभिषेक कुशवाह ट्रैक्टर निकलवाने के लिए आरक्षक से रुपए की बात करता सुनाई दे रहा है। वह बार-बार आरक्षक से पूछता है कि कितने रुपए देने पड़ेंगे, ताकि उसके ट्रैक्टर नहीं रोके जाएं। हालांकि, दोनों रिकॉर्डिंग में आरक्षक अपनी तरफ से रुपए की कोई मांग नहीं करता। वह ऑपरेटर को थाने आकर मिलने की बात कहता दिख रहा है। वायरल ऑडियो में अभिषेक और आरक्षक के बीच दो बार बातचीत हुई। दोनों ही बार कॉल अभिषेक की तरफ से किया गया था। पहली कॉल करीब 1 मिनट 36 सेकंड और दूसरी कॉल 2 मिनट 33 सेकंड की बताई जा रही है। बातचीत के दौरान अभिषेक आरक्षक को याद दिलाता है कि दो दिन पहले उसने उसका ट्रैक्टर रोका था, जिस पर पीछे कुशवाह लिखा था। उसने कहा कि ट्रैक्टर चालक ने आप (आरक्षक) से बात करने के लिए कहा था। अब वह इसी सिलसिले में फोन कर रहा है। रिकॉर्डिंग में अभिषेक लगातार आरक्षक से रुपए बताने पर जोर देता सुनाई दे रहा है। वह कहता है कि उसके तीन ट्रैक्टर चलते हैं और वह नहीं चाहता कि बार-बार ट्रैक्टर रोके जाएं।

गोपाल कृष्ण ग्राम पुरस्कार योजना में छह ग्रामों के 18 पशुपालकों का चयन

प्रथम पुरस्कार एक लाख, द्वितीय 50 हजार और तृतीय पुरस्कार के रूप में मिलेंगे 25 हजार रुपये

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर।

मध्यप्रदेश शासन की गोपाल कृष्ण ग्राम पुरस्कार योजना के अंतर्गत चंबल संभाग के मुरैना जिले के छह विधानसभा क्षेत्रों के चयनित ग्रामों में 27 से 31 अक्टूबर 2026 तक दुग्ध उत्पादन प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में उन्नत नस्ल की गायों के दुग्ध उत्पादन के आधार पर प्रत्येक ग्राम से प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले कुल 18 पशुपालकों का चयन किया गया है।

योजना के तहत प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले पशुपालक को एक लाख रुपये, द्वितीय स्थान पर 50 हजार रुपये तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले पशुपालक को 25 हजार रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। प्रतियोगिता में साहीवाल, गिर, हरियाणा, मालवी, थारपारकर, केंकथा एवं देशी नस्ल की गायों को शामिल किया गया। उपसंचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रतियोगिता में प्रतिदिन 6 लीटर अथवा उससे अधिक दूध देने वाली गायों को सम्मिलित किया जाना था।

विधानसभा क्षेत्रवार चयनित पशुपालकों का विवरण

सुमावली विधानसभा के ग्राम सुमावली में दीवान शर्मा की साहीवाल नस्ल की गाय ने तीन दिवस में 19.78 लीटर तथा औसतन प्रतिदिन 13.18 लीटर दूध उत्पादन कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। हरिचरण शर्मा की हरियाणा नस्ल की गाय ने 12.64 लीटर कुल एवं 8.42 लीटर औसत प्रतिदिन दूध उत्पादन के साथ द्वितीय तथा कालीचरण शर्मा की निमाड़ी नस्ल की गाय ने 11.08 लीटर कुल एवं 7.38 लीटर औसत प्रतिदिन दूध उत्पादन के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया।

मुरैना विधानसभा के ग्राम महतौली में राजकुमार शर्मा की गिर नस्ल की गाय ने 12.65 लीटर कुल एवं 8.43 लीटर औसत प्रतिदिन दूध उत्पादन कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। नहार सिंह की हरियाणा नस्ल की गाय ने 8.95 लीटर कुल एवं 5.96 लीटर औसत प्रतिदिन दूध उत्पादन कर द्वितीय तथा रामनिवास की गिर नस्ल की गाय ने 5.3 लीटर कुल एवं 3.53



लीटर औसत प्रतिदिन दूध उत्पादन कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। दिमनी विधानसभा के ग्राम दिमनी में गब्बर सिंह की गिर नस्ल की गाय ने 11.63 लीटर कुल एवं 7.75 लीटर औसत प्रतिदिन दूध उत्पादन कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। अनिल शर्मा की गिर नस्ल की गाय ने 10.9 लीटर कुल एवं 7.26 लीटर औसत प्रतिदिन दूध उत्पादन कर द्वितीय तथा भूप सिंह तोमर की गिर नस्ल की गाय ने 9.55 लीटर कुल एवं 6.36 लीटर औसत प्रतिदिन दूध उत्पादन कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। अम्बाह विधानसभा के ग्राम रजौधा में सूरज सिंह तोमर की गिर-मालवी नस्ल की गाय ने 11.56 लीटर कुल एवं 7.7 लीटर औसत प्रतिदिन दूध उत्पादन कर प्रथम स्थान प्राप्त किया।

मीरा बाई कुशवाह की गिर-थारपारकर नस्ल की गाय ने 10.4 लीटर कुल एवं 6.93 लीटर औसत प्रतिदिन दूध उत्पादन कर द्वितीय तथा प्रिंस तोमर की गिर-केंकथा नस्ल की गाय ने 9.95 लीटर कुल एवं 6.63 लीटर औसत प्रतिदिन दूध उत्पादन कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। सबलगढ़ विधानसभा के ग्राम मांगरोल में कृष्णानंद शर्मा की गिर नस्ल की गाय ने 17.15 लीटर कुल एवं 11.43 लीटर औसत प्रतिदिन दूध उत्पादन कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। श्रीमती ओमवती रावत की देशी नस्ल की गाय ने 14.6 लीटर कुल एवं 9.73 लीटर औसत प्रतिदिन दूध उत्पादन कर द्वितीय तथा उदय सिंह रावत की देशी नस्ल की गाय ने 13.38 लीटर कुल एवं 8.91 लीटर औसत प्रतिदिन दूध उत्पादन कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। जौरा विधानसभा के ग्राम सुजानगढ़ी में देशराज धाकड़ की गिर नस्ल की गाय ने 11.4 लीटर कुल एवं 7.6 लीटर औसत प्रतिदिन दूध उत्पादन कर प्रथम स्थान प्राप्त किया।

विमलेश सिकरवार की गिर नस्ल की गाय ने 10.20 लीटर कुल एवं 6.8 लीटर औसत प्रतिदिन दूध उत्पादन कर द्वितीय तथा सीताराम गोस्वामी की देशी नस्ल की गाय ने 10.1 लीटर कुल एवं 6.73 लीटर औसत प्रतिदिन दूध उत्पादन कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। गोपाल कृष्ण ग्राम पुरस्कार योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देना, उन्नत नस्ल के पशुओं के पालन को प्रोत्साहित करना तथा पशुपालकों की आय में वृद्धि करना है। योजना के माध्यम से पशुपालकों को वैज्ञानिक पशुपालन पद्धतियां अपनाने और दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

अवैध कॉलोनाइजरों पर पुलिस का शिकंजा: धनेली-करगवां में बिना परमिशन काटी जा रही थी कॉलोनी

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर।

ग्वालियर में बिना अनुमति कॉलोनियां विकसित कर प्लॉट बेचने के मामले में प्रशासन और पुलिस ने कार्रवाई की है। धनेली और करगवां गांव में अवैध प्लॉटिंग के मामले में बिजौली थाना पुलिस ने चार अलग-अलग स्ब्ढ्क्र दर्ज की हैं। इनमें बड़ागांव निवासी प्रदीप यादव, सिकंदरा इन्फ्राटेक के पार्टनर सुरेंद्र प्रजापति और रोशन लाल शिवहरे, प्रमोद शर्मा, प्रफुल्ल शर्मा और अमोल सिंह यादव के नाम शामिल हैं। आरोप है कि इन कॉलोनाइजरों ने जरूरी अनुमति और एनओसी के बिना प्लॉट काटकर लोगों को बेचे। कार्रवाई कलेक्टर न्यायालय के आदेश के बाद राजस्व विभाग की शिकायत पर की गई है।

बिजौली थाना प्रभारी सौरभ श्रीवास्तव के



मुताबिक, धनेली गांव में प्रदीप यादव अलग-अलग सर्वे नंबरों की जमीन पर बिना अनुमति कॉलोनी काट रहा था। जांच में सामने आया कि न तो कॉलोनाइजर का रजिस्ट्रेशन कराया गया था और न ही नगर व ग्राम निवेश विभाग से लेआउट स्वीकृत कराया गया था। धनेली में ही सिकंदरा इन्फ्राटेक के पार्टनर सुरेंद्र प्रजापति और रोशन लाल शिवहरे पर भी बिना वैधानिक प्रक्रिया पूरी किए और अनुमति लिए प्लॉट काटकर बेचने का आरोप है। आरोप है कि उन्होंने लोगों को सभी अनुमतियां होने की बात कहकर कॉलोनी में प्लॉट दिए, जबकि उनके पास एक भी एनओसी नहीं थी। करगवां में भी बिना अनुमति विकसित की कॉलोनी करगवां गांव में अमोल सिंह यादव पर सर्वे नंबर 353/2/1, 353/1/2 और 353/2/2 की जमीन पर बिना अनुमति कॉलोनी विकसित करने का आरोप है। प्रशासन की जांच में अनियमितताएं सही पाए जाने के बाद कार्रवाई की गई। करगवां में ही सर्वे नंबर 216, 197/4, 201/2, 217 और 218/2 में बिना एनओसी और अनुमति के कॉलोनी काटे जाने की शिकायत की गई थी। पटवारी वीरेंद्र सिंह कुशवाह ने कृष्णपुरी मुरार निवासी कॉलोनाइजर प्रमोद शर्मा और प्रफुल्ल शर्मा के खिलाफ शिकायत की थी।

भगवान राम-कृष्ण की लीलाओं पर बोले धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री, हनुमान का किया जिक्र

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर।

बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री अपने एक हालिया बयान को लेकर एक बार फिर सुर्खियों में आ गए हैं। शिवपुरी जिले के करैरा में आयोजित श्रीराम कथा के दौरान उन्होंने भगवान श्रीराम और भगवान श्रीकृष्ण के स्वरूप की तुलना करते हुए कुछ ऐसी टिप्पणियां कीं, जिस पर नया विवाद खड़ा हो सकता है। 29 अक्टूबर को दिए अपने प्रवचन में उन्होंने कहा कि हमारे राम सीधे हैं, जबकि तुम्हारे कृष्ण हर तरह से टेढ़े हैं। राम और कृष्ण की मुद्राओं की तुलना कथा के दौरान श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि भगवान राम का नाम, उनका चलना और उनका स्वरूप एकदम सीधा है। वहीं भगवान कृष्ण का नाम भी टेढ़ा है और वे तस्वीरों में भी तीन जगह से टेढ़े होकर यानी कमर लचकाकर और पैरों पर पैर रखकर खड़े दिखाई देते हैं। उन्होंने भगवान राम के धनुष चलाने की तुलना श्रीकृष्ण की बांसुरी से करते हुए कहा कि धनुष साधना कोई खेल नहीं है,



जबकि बांसुरी तो कोई कलाकार भी बजा सकता है। बांसुरी बजाने और पर्वत उठाने की लीलाओं पर टिप्पणी शास्त्री ने आगे कहा कि गाय चराना कोई बड़ी बात नहीं है और पर्वत उठाना भी सामान्य बात है, क्योंकि हमारे भगवान के भक्त हनुमान जी ने तो पूरा का पूरा पर्वत ही उड़ा दिया था। उन्होंने तर्क दिया कि असली खेल तो बंदरों को नचाना है। हालांकि, अपनी बात के अंत में उन्होंने सफाई देते हुए कहा कि इन बातों का यह कतई मतलब नहीं है कि वे भगवान कृष्ण के विरोधी हैं। कथावाचकों की टिप्पणियों पर पहले भी हुए हैं विवाद धार्मिक मंचों से देवी-देवताओं पर की जाने वाली टिप्पणियों को लेकर पहले भी बवाल मच चुका है।

कभी दिग्विजय के गढ़ को ललकारती थीं ममता, अब उन्हीं की राह में बिछाए फूल

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर।

राजनीति में न दोस्ती हमेशा के लिए होती है और न दुश्मनी। वक्त और सियासी परिस्थितियां कब रिश्तों की दिशा बदल दें, इसका ताजा उदाहरण चांचौड़ा विधानसभा क्षेत्र में देखने को मिल रहा है। कभी भाजपा की कद्दावर विधायक रहते हुए पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह और उनके राजनीतिक गढ़ राघौगढ़ को खुली चुनौती देने वाली ममता मीना रविवार को उन्हीं दिग्विजय सिंह की अगवानी में नजर आईं। स्वागत भी ऐसा कि कई किलोमीटर तक रास्ते में गेंदे के फूल बिछाकर यात्रा का अभिनंदन किया गया। ममता मीना के इस बदले अंदाज ने चांचौड़ा से लेकर गुना तक सियासी चर्चाओं को गर्म कर दिया है। अब इसे महज एक स्वागत समारोह माना जाए या आने वाले विधानसभा चुनाव की नई राजनीतिक पटकथा का संकेत, इस पर कयास लगाए जा रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह



के नेतृत्व में उज्जैन से अयोध्या तक निकाली जा रही सत्य सनातन स्वाभिमान यात्रा रविवार को गुना जिले में दाखिल हुई। यात्रा के चांचौड़ा विधानसभा क्षेत्र में पहुंचते ही ममता मीना ने अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ जोरदार स्वागत किया। फूलों से सजे रास्ते और समर्थकों की भीड़ के बीच हुआ यह अभिनंदन इसलिए भी चर्चा में रहा, क्योंकि कभी ममता मीना की राजनीति का बड़ा हिस्सा दिग्विजय सिंह के खिलाफ मुखर विरोध पर केंद्रित रहा था। उनके पति और पूर्व आईपीएस अधिकारी रघुवीर सिंह मीना भी लगातार इस यात्रा के साथ जुड़े बताए जा रहे हैं। वे उज्जैन से ही यात्रा में शामिल हैं।

डेढ़ माह की बच्ची का अपहरण : 7 घंटे बाद अस्पताल के पार्क में मिली, सहेली के साथ मां लौटी तो नहीं थी मासूम

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर।

ग्वालियर के बस स्टैंड से रविवार रात डेढ़ माह की बच्ची का अपहरण हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस ने शहर में हाई अलर्ट जारी कर नाकाबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया। करीब 7 घंटे बाद आरोपी बच्ची को कमलाराजा अस्पताल के पार्क के पास छोड़कर भाग गया। बच्ची फिलहाल अस्पताल में है। परिवार टीकमगढ़ से तीन दिन पहले ही आया था और काम तलाश रहा था। रविवार रात बच्ची की मां अपनी दोनों बेटियों को सुलाकर सहेली के साथ कुछ देर के लिए गई थी। करीब एक घंटे बाद लौटी तो 45 दिन की छोटी बेटी पूजा गायब थी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने पूरे शहर में नाकाबंदी कर



दी। हर आने-जाने वाले की तलाश शुरू हुई तो आरोपी सोमवार तड़के करीब 4 बजे बच्ची कमलाराजा अस्पताल परिसर के पार्क के पास बच्ची को छोड़कर भाग गया।

पुलिस के मुताबिक फुटेज में एक संदेही युवक बच्ची को गोद में लेकर जाता दिखाई दिया है। उसकी पहचान पन्ना निवासी विजय कुमार के रूप में हुई है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। बच्ची मिलने के बाद उसके माता-पिता भी मौके पर नहीं मिले। पुलिस उनकी तलाश कर रही है। यहां से हुआ था बच्ची का अपहरण यहां से हुआ था बच्ची का अपहरण मूल रूप से टीकमगढ़ निवासी राधा अहिरवार पति हरीशचंद्र और दो छोटी बेटियों के साथ तीन दिन पहले ही मजदूरी की तलाश में ग्वालियर आई थी। रहने का ठिकाना नहीं होने के कारण परिवार बस स्टैंड पर ही रात गुजार रहा था।

रविवार को पति मजदूरी करने गया था, लेकिन शाम को शराब पीकर खाली हाथ लौट आया। बच्चियों को दूध पिलाने के लिए पैसे नहीं होने पर पति-पत्नी के बीच विवाद हुआ। इसके बाद पति सिरदर्द का बहाना बनाकर बस स्टैंड पर ही सो गया। राधा ने भीख मांगकर पैसों का इंतजाम किया और दोनों बच्चियों को दूध पिलाकर सुलाया। रात करीब 9 बजे वह अपनी सहेली के साथ पास में किसी काम से गई थी। करीब एक घंटे बाद लौटी तो

लोग मक्के का साग और चने का साग भी चख रहे

शहर के बीच गांव का एहसास! कुएं से पानी खींच रहे बच्चे, सिल-बट्टे पर पीस रहे चटनी

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर।

ग्वालियर के व्यापार मेला परिसर में चल रहे स्वदेशी मेले में शहर के बीच एक कृत्रिम गांव बसाया गया है। यहां पहुंचकर युवा और बच्चे ग्रामीण जीवनशैली को करीब से देख और समझ रहे हैं। कोई हाथ से चलने वाली चक्की पर आटा पीस रहा है तो कोई कुएं से पानी निकालने का अनुभव ले रहा है। सिल-बट्टे पर चटनी पीसने से लेकर बैलगाड़ी, चौपाल और गांव की पाठशाला देखने तक, इस प्रदर्शनी में ग्रामीण परिवेश से जुड़ी कई पुरानी परंपराओं को जीवंत किया गया है। खास बात यह है कि प्रदर्शनी देखने वालों में युवाओं और बच्चों की संख्या सबसे ज्यादा है।

चूल्हे की रोटी और देसी साग का स्वाद

कृत्रिम गांव में ग्रामीण रहन-सहन के साथ पारंपरिक खानपान भी आकर्षण का केंद्र है। यहां चूल्हे पर रोटियां बनाई जा रही हैं। लोग मक्के का साग और चने का साग भी चख रहे हैं। आधुनिक खानपान के बीच चूल्हे पर तैयार भोजन और उसे बनाने की पारंपरिक शैली लोगों को गांव के पुराने दिनों की याद दिला रही है। देसी अंदाज में खाट पर बैठकर खाना खाते लोग। देसी अंदाज में खाट पर बैठकर खाना खाते लोग। गौशाला के जरिए पॉलिथीन से होने वाले नुकसान का संदेश प्रदर्शनी में गौशाला भी बनाई गई



है। इसके माध्यम से गायों के प्रति संवेदनशीलता और पॉलिथीन से होने वाले नुकसान के बारे में जागरूक किया जा रहा है। लोगों को बताया जा रहा है कि खाने की बची सामग्री पॉलिथीन में भरकर खुले में फेंकने से गायें उसे खाने के साथ निगल लेती हैं। इससे उनके पेट में गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। लोगों को कचरे का सही निस्तारण करने और पॉलिथीन का उपयोग कम करने का संदेश दिया जा रहा है। चूल्हे पर रोटियां सेंकती हुई बुजुर्ग महिला।

चूल्हे पर रोटियां सेंकती हुई बुजुर्ग महिला। बच्चों को गांव की पाठशाला और पुरानी परंपराओं से जोड़ रहे

गांव में पारंपरिक पाठशाला, कुआं, बैलगाड़ी, चौपाल और संत कुटीर भी तैयार किए गए हैं। बच्चे यहां ग्रामीण जीवन से जुड़ी गतिविधियों को देखकर उनके बारे में जान रहे हैं। कई अभिभावक भी अपने बच्चों को लेकर पहुंच रहे हैं, ताकि वे उन चीजों को करीब से समझ सकें, जिनके बारे में अब तक उन्होंने किताबों में पढ़ा या बुजुर्गों से सुना है। नई पीढ़ी को ग्रामीण संस्कृति से जोड़ना उद्देश्य कृत्रिम गांव तैयार करने वाले महिपाल सिंह खेनवार ने बताया कि स्वदेशी जागरण मंच, आदर्श गौशाला लालटिपारा और अन्य सहयोगियों की मदद से यह प्रदर्शनी तैयार की गई है। इसका उद्देश्य नई पीढ़ी को ग्रामीण संस्कृति से जोड़ना है। आज के कई बच्चों ने बिटोरा, कंडे, सिल-बट्टा और हाथ से चलने वाली चक्की नहीं देखी है। मेले में उगाई गई चने की फसल देखते हुए महिला। मेले में उगाई गई चने की फसल देखते हुए महिला। इसी को ध्यान में रखकर गांव की थीम तैयार की गई। इसमें चौपाल, कुआं, बैलगाड़ी, गौशाला और संत कुटीर जैसे दृश्य शामिल किए गए हैं।

संपादकीय

भारत की गरीबी के अर्धसत्य

क्या भारत में गरीबी नगण्य स्तर पर आ रही है? क्या बहुत जल्द -गरीबी-रेखा- की अवधारणा और मानकता समाप्त हो जाएंगी? क्या 285-400 रुपए रोजाना की आमदनी -सामान्य स्थिति- है? गरीबी से उबरना है? देश के कण-कण, चप्पे-चप्पे, गली-मुहल्लों में जो गरीब परिवार दिखाई देते हैं, क्या उनमें से अधिकतर गरीबी से बाहर निकल आए हैं और सामान्य आय-वर्ग में शामिल हो चुके हैं? आरएसएस के सरकार्यवाह (महामंत्री) दत्तात्रेय होसबाले ने 375 रुपए से भी कम रोजाना कमाने वालों को -गरीबी- की श्रेणी में रखा था, जिसमें करोड़ों भारतीय बताए गए थे, क्या उस आकलन और सर्वेक्षण का अर्थशास्त्र गलत था? पश्चिम बंगाल से उप्र तक की पट्टी में देश के करीब 57 फीसदी गरीब माने जाते रहे हैं, क्या उनमें से अधिकतर गरीबी से बाहर निकल आए हैं? देश में ऐसी कॉन-सी क्रांति या औद्योगिक विकास हुआ है, जिनसे गरीबी 3 फीसदी से भी कम पर आने का निष्कर्ष बताया जा रहा है? विश्व बैंक ने भारत की गरीबी पर जो रपट जारी की है, उसकी प्रामाणिकता और विश्वसनीयता कितनी है? भारत में गरीबी और गरीब के आंकड़े विश्व बैंक ने खुद तो जमा नहीं किए। भारत सरकार, मंत्रालयों और एजेंसियों ने जो डाटा मुहैया कराया होगा, विश्व बैंक ने उन्हीं का विश्लेषण किया होगा! तो उस आधार पर कैसे माना या दावा किया जा सकता है कि भारत में गरीबी बहुत कम हो चुकी है और करीब 50 करोड़ लोग, 2011-23 के दौरान, गरीबी-रेखा से बाहर आ चुके हैं? विश्व बैंक की रपट के मुताबिक, भारत में -अत्यधिक गरीबी- 3 डॉलर (करीब 285 रुपए) रोजाना के मानक स्तर पर 27.1 फीसदी से घट कर मात्र 2.6 फीसदी रह गई है? यह -अत्यधिक गरीबी- क्या होती है? यह शब्दावली किसने तय की और क्या सभी को स्वीकार्य है? बहरहाल 12 साल के कालखंड में साढ़े 3 साल यूपीए सरकार के हैं, शेष कालखंड मोदी सरकार का है। इन सालों में 49.6 करोड़ लोग गरीबी-रेखा से बाहर आए हैं।

निम्न मध्यम आय-वर्ग में रोजाना 4.2 डॉलर (करीब 400 रुपए) कमाने और जीवनयापन करने वालों की आबादी 57.7 फीसदी से घट कर 16.1 फीसदी पर आ गई है। इसी स्तर पर 2026 की गरीबी-दर 14.2 फीसदी से घट कर 2028 में 12.1 फीसदी तक लुढक सकती है। इस विश्लेषण और इन निष्कर्षों पर कई सवाल हैं। भारत में औसतन 300-400 रुपए रोजाना कमाने वाले को -गरीब- नहीं मानेंगे, तो क्या वह -सामान्य- श्रेणी में गिना जाएगा? सरकारों ने न्यूनतम वेतन 18,000 रुपए से 24,000 रुपए तक तय कर रखा है। औसतन मजदूर भी 600-700 रुपए की दिहाड़ी मांगता है। विश्व बैंक के हिसाब से 9000-12,000 रुपए माहवार कमाई, आय वाले को -गरीब- नहीं मानना चाहिए, लेकिन औसत किसान की आमदनी 10,000 रुपए माहवार भी नहीं है। उसे मजदूरी करनी पड़ती है। किसानी से 5000 रुपए भी नहीं मिलते। खेती पर 42 फीसदी कार्यबल आश्रित है। देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में भी कृषि का योगदान 16-18 फीसदी है। यह डाटा भारत सरकार के प्रेस सूचना ब्यूरो और विश्व बैंक का है। जिन आधारों पर गरीबी-उन्मूलन के दावे किए जा रहे हैं, उनके अपने -अर्द्धसत्य- हैं।

यह एक अलग विश्लेषण का विषय है, लिहाजा इसे यहीं छोड़ते हैं। -गरीबी हटाओ- इंदिरा गांधी के प्रधानमंत्री काल से एक बेहद संवेदनशील मुद्दा रहा है। इसी आधार पर उन्होंने 1971 का चुनाव जीत लिया था। बाद में कुछ और प्रधानमंत्री भी गरीबी-उन्मूलन के दावे करते रहे। भारत सरकार में इसका बाकायदा एक मंत्रालय है। प्रधानमंत्री मोदी ने भी अपनी योजनाओं के जरिए गरीबी मिटाने के लगातार दावे किए हैं। विश्व बैंक उनकी राजनीति को पुख्ता करता है, लेकिन यह सच भी देश के सामने आना चाहिए कि देश पर करीब 215 लाख करोड़ रुपए का कर्ज है। यह भी यथार्थ है कि वित्त वर्ष 2026-27 में अभी तक बेरोजगारी दर 14.6 फीसदी से बढ़ कर 15.9 फीसदी हो गई है।

सियासी शक्ति प्रदर्शन की कीमत चुका रहे दिल्ली के व्यापारी

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

यहां सबसे बड़ा प्रश्न राजनीतिक प्राथमिकताओं का है। जब किसी बड़े आयोजन से पहले उसकी सुरक्षा, यातायात और प्रशासनिक व्यवस्था पर विस्तृत विचार किया जाता है, तो उसके आर्थिक प्रभाव का आकलन क्यों गौण रह जाता है? क्या व्यापारिक संगठनों से बातचीत करके आयोजन की तारीख बदलना असंभव था? क्या दिल्ली के बाहरी क्षेत्रों में रैली के लिए वैकल्पिक स्थल उपलब्ध कराने की व्यवस्था नहीं हो सकती थी? क्या मालवाहक वाहनों, ग्राहकों और आम नागरिकों के लिए अलग-अलग मार्ग निर्धारित करना कठिन था?

धनतेरस, दीपावली और भाईदूज! देश के व्यापारियों के लिए सालभर की कमाई का सबसे महत्वपूर्ण समय। बाजारों में ग्राहकों की भीड़, दुकानों पर खरीदारी की रौनक, गोदामों से निकलता सामान, सड़कों पर दौड़ते मालवाहक वाहन और दिन-रात मेहनत करते हजारों मजदूर। दिल्ली के बाजार भी इसी कारोबारी उत्साह के साथ त्योहारों का स्वागत कर रहे हैं, तभी इसी निर्णायक कारोबारी दौर में राहुल गांधी के नेतृत्व में इंडिया गठबंधन की महारैली ने दिल्ली के प्रमुख बाजारों की रफ्तार पर ऐसा ब्रेक लगाया कि व्यापारियों के सामने दुकानें खोलने और ग्राहकों तक पहुंचने का संकट खड़ा हो गया। चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) का दावा है कि रैली के चलते करीब 2.5 लाख दुकानें बंद रहीं और लगभग 11 हजार करोड़ रुपये के कारोबार पर चोट पहुंची। प्रश्न राहुल गांधी से सीधा है, अपनी राजनीतिक ताकत दिखाने के लिए आयोजित इस रैली की आर्थिक कीमत आखिर दिल्ली के व्यापारी, दुकानदार और रोज कमाकर परिवार पालने वाले मजदूर क्यों चुकाएं?

लोकतंत्र में अपनी बात जनता तक पहुंचाने, सरकार का विरोध करने और राजनीतिक शक्ति का प्रदर्शन करने के लिए सभाएं होनी चाहिए, मगर क्या लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति के इस अधिकार का अर्थ यह है कि शहर की आर्थिक गतिविधियों को ठप करने की कीमत आम नागरिकों से वसूली जाए? जिस समय दिल्ली के बाजारों में ग्राहकों की सबसे अधिक आवाजाही होनी चाहिए थी, उस समय व्यापारियों को दुकानें बंद रखने, ग्राहकों के इंतजार और माल की आपूर्ति बाधित होने जैसी परिस्थितियों से जूझना पड़ा। सीटीआई के चेयरमैन बृजेश गोयल ने इस संकट ओर ध्यान भी पहले दिला दिया था कि रामलीला मैदान के आसपास पांच किलोमीटर के दायरे में सदर बाजार, चांदनी चौक, खारी बावली, नया बाजार, कश्मीरी गेट और भगीरथ पैलेस सहित 22 से 25 प्रमुख बाजार आते हैं। इन बाजारों में लगभग तीन लाख दुकानें हैं, जिनमें से करीब 2.5 लाख दुकानें हैं, ऐसे में कृपया अभी यहां रैली न की जाए, पर व्यापारियों के हित की बात कांग्रेस को कहां सुनाई देनी थी?

सबसे गंभीर बात यह है कि सदर बाजार से देशभर में घरेलू सामान की आपूर्ति होती है, चांदनी चौक कपड़ों और आभूषणों का बड़ा केंद्र है, खारी बावली मसालों और सूखे मेवों के कारोबार के लिए प्रसिद्ध है और भगीरथ पैलेस इलेक्ट्रॉनिक सामान का महत्वपूर्ण बाजार है। इन बाजारों से देश के विभिन्न राज्यों के हजारों छोटे-बड़े व्यापारी जुड़े हैं। रैली से पहले लगभग दस लाख लोगों के जुटने और 15 से 20 हजार वाहनों के दिल्ली पहुंचने की आशंका ने ही व्यापारिक क्षेत्रों में अनिश्चितता पैदा कर दी थी। सुरक्षा व्यवस्था, बैरिकेडिंग, रास्तों में बदलाव और संभावित जाम की खबरों से बाजार आने वाले ग्राहकों ने अपनी खरीदारी की योजना टाल दी।

राहुल गांधी ने रैली के दौरान लोगों से दिल्ली के बाजारों में जाकर खरीदारी करने और व्यापारियों का समर्थन करने की अपील की। सुनने में यह बात अच्छी लगती है, मगर इसकी जमीनी हकीकत पर भी विचार होना चाहिए। जब करीब 80 प्रतिशत दुकानें बंद थीं, बाजारों तक पहुंचने के रास्ते प्रभावित थे और ग्राहक आने से बच रहे थे, तब खरीदारी की अपील का वास्तविक अर्थ क्या रह जाता है? वास्तव में व्यापारियों का सवाल भी यही था कि जब दुकानें ही बंद थीं तो ग्राहक खरीदारी कहां करते? राजनीतिक मंच से व्यापारियों के प्रति सहानुभूति जताना और उनकी वास्तविक कारोबारी परिस्थितियों को समझना दो अलग-अलग बातें हैं।

सीटीआई ने रैली वाले दिन कारोबार सामान्य पीक सीजन की तुलना में 15 से 20 प्रतिशत तक सिमटने की बात कही है। लगभग 11 हजार करोड़ रुपये के कारोबार को नुकसान हुआ है। अब इससे जुड़ी आर्थिक चिंता को खारिज करना भी संभव नहीं है। क्योंकि छोटे दुकानदारों के लिए त्योहारों की बिक्री महज मुनाफा कमाने का अवसर नहीं होती, यह उनके पूरे साल के वित्तीय प्रबंधन का महत्वपूर्ण आधार होती है। कई कारोबारी उधार पर माल खरीदते हैं। त्योहारों में होने वाली बिक्री से आपूर्तिकताओं का भुगतान करते हैं, कर्मचारियों का वेतन देते हैं और अगली खेप के लिए पूंजी जुटाते हैं। बिक्री के महत्वपूर्ण दिन निकल जाने पर उनकी आर्थिक गणना बिगड़ जाती है। त्योहार बीतने के बाद कई वस्तुओं की मांग तेजी से घट जाती है।

इस रैली की कीमत उन लोगों ने भी चुकाई, जिनकी आवाज राजनीतिक मंचों तक शायद ही कभी पहुंचती है। दिल्ली के बाजारों में माल उतारने, पैकिंग करने, सामान पहुंचाने और गोदामों में काम करने वाले हजारों मजदूर रोज की कमाई पर निर्भर रहते हैं। सामान्य त्योहारी दिनों में इन बाजारों में चार लाख से अधिक मजदूरों को काम मिलता है, जबकि रैली वाले दिन काम करने वालों की संख्या एक लाख से कम रह गई।

उत्तर प्रदेश, बिहार और राजस्थान से आए मजदूर त्योहारों के दिनों में अतिरिक्त मेहनत करके अपने परिवारों के लिए कुछ अधिक कमाने की उम्मीद रखते हैं। किसी को बच्चों की फीस भरनी है, किसी को घर का खर्च भेजना है और किसी को कर्ज की किस्त चुकानी है। बाजार में काम ठप हुआ तो इनकी कमाई भी ठप हो गई। जो मजदूर सुबह काम की उम्मीद लेकर पहुंचे, उनमें से कई को खाली हाथ लौटना पड़ा। राजनीतिक रैली के मंच पर गरीबों और मजदूरों के अधिकारों की बात करने वाले नेतृत्व के सामने यह सवाल अवश्य खड़ा होना चाहिए कि इन श्रमिकों की रोजी पर पड़े आघात की जिम्मेदारी कौन लेगा? व्यापारियों की मुश्किल माल की आवाजाही बाधित होने से और बढ़ी। रामलीला मैदान के दस किलोमीटर के दायरे में मालवाहक वाहनों की आवाजाही पर व्यापक असर पड़ा। नरेला, बवाना, ओखला, मायापुरी, मुंडका और उद्योग नगर से बाजारों तक सामान पहुंचाने वाले ट्रक और टेंपो सामान्य दिनों की तुलना में काफी कम संख्या में पहुंचे। जहां रोजाना करीब पांच हजार ट्रक और टेंपो बाजारों तक माल पहुंचाते हैं, वहीं रैली वाले दिन इनकी संख्या दो हजार से भी कम रह गई। परिणामस्वरूप गोदामों में तैयार माल अटका रहा, दुकानों तक सामान पहुंचाने में देरी हुई और परिवहन कारोबार से जुड़े लोगों की आय भी प्रभावित हुई।

चीन से बढ़ते व्यापार असंतुलन की चुनौती

डा. जयंतीलाल भंडारी

आने वाले वर्षों में चीन से व्यापार असंतुलन कम करने के लिए हमें और अधिक रणनीतिक प्रयास करने होंगे। इस रणनीतिक काम के लिए देश के उद्यमियों-कारोबारियों, वैज्ञानिकों, तकनीकी विशेषज्ञों और अन्य विभिन्न क्षेत्रों के सभी लोगों को एकजुटता, परिश्रम व समर्पण के साथ आगे बढ ?ा होगा। देश के करोड़ों उपभोक्ताओं द्वारा भी घरेलू और स्वदेशी वस्तुओं की खरीद को दैनिक जीवन की प्राथमिकता बनाया जाना होगा। हमें चीन को एक आर्थिक प्रतिस्पर्धी देश मानते हुए उसके साथ आर्थिक प्रतिस्पर्धा के लिए हरसंभव प्रयास करने होंगे। चीन से व्यापार घाटे को पाटने के लिए जल्द ही ठोस उपाय करने होंगे।



इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि चीन से बढ़ता व्यापार घाटा केवल आयात-निर्यात का एक साधारण आर्थिक आंकड़ा मात्र नहीं है, बल्कि यह भारत की दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता, औद्योगिक क्षमता और रणनीतिक संप्रभुता से जुड़ा मसला है। हाल ही में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक की बैठक के दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारत इस समय चीन के साथ तेजी से बढ़ते व्यापार घाटे की गंभीर चुनौती का सामना कर रहा है। सीतारमण ने कहा कि चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा वित्त वर्ष 2015-16 के 52.5 अरब डॉलर से दो गुना से अधिक बढकर वित्त वर्ष 2025-26 में 112 अरब डालर हो गया है। यद्यपि चीन को होने वाले भारतीय निर्यात में सराहनीय वृद्धि दर्ज की गई है, परंतु चीन से भारत आने वाले आयात का विशाल परिमाण व्यापार घाटे की खाई को और अधिक गहरा बना रहा है। ऐसे में हमें हरसंभव तरीके से चीन से कारोबार में आ रही अड़चनें दूर करते हुए चीन को निर्यात बढ़ाने की नई रणनीति के साथ आगे बढ ?ा होगा। उल्लेखनीय है कि चीन के साथ लगातार बढ़ते हुए व्यापारिक असंतुलन के पीछे कई संरचनात्मक, रणनीतिक और नीतिगत कारक जिम्मेदार हैं। सबसे बड़ा कारण चीन द्वारा अपनाई जाने वाली अप्रत्यक्ष और गैर-शुल्क बाधाएं (नॉन टैरिफ बैरियर्स) हैं। वित्त मंत्री के अनुसार चीनी प्रशासन द्वारा लगाए जाने वाले अत्यधिक जटिल तकनीकी, कड़े स्वास्थ्य और गुणवत्ता संबंधी सूक्ष्म मानक भारतीय वस्तुओं के चीनी बाजार में प्रवेश के रास्ते में सबसे बड़ा रोड़ा बने हुए हैं। भारत बीते एक दशक से भी अधिक समय से अपनी विश्वस्तरीय जेनेरिक दवाओं, प्रसंस्कृत मांस और विविध कृषि उत्पादों के लिए चीनी बाजार में न्यायसंगत और पारदर्शी पहुंच की मांग करता रहा है। इसके विपरीत चीन अपने घरेलू उद्योगों और बाजार को पूर्ण संरक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से ऐसे जटिल नियामक नियम लागू करता है जिनके चलते भारतीय निर्यातक प्रतिस्पर्धी मूल्य और उच्च गुणवत्ता होने के बावजूद वहां अपनी पैठ नहीं बना पाते।

इसके अतिरिक्त चीनी युआन की विनिमय दर में होने वाले उतार-चढ़ाव भी भारतीय मुद्रा रुपए पर लगातार दबाव बढ़ाते हैं, जिससे व्यापार घाटे को पाटने के लिए भारत को अपने विदेशी मुद्रा भंडार का निरंतर इस्तेमाल करना पड़ता है। यह भी महत्वपूर्ण है कि चीन के साथ बढ़ते व्यापारिक असंतुलन का एक और महत्वपूर्ण पहलू भारत के महत्वाकांक्षी मेक इन इंडिया अभियान की चीनी कच्चे माल और घटकों पर बनी भारी निर्भरता है। यद्यपि भारत का घरेलू विनिर्माण क्षेत्र हाल के वर्षों में तेजी से विस्तृत हुआ है, लेकिन इसका औद्योगिक बुनियादी ढांचा अब भी काफी हद तक चीनी आपूर्ति श्रृंखलाओं पर निर्भर है। भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग, डिस्प्ले पैनल, सोलर पीवी सेल, औषधीय कच्चा माल यानी एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रीडिएंट्स (एपीआई) और भारी औद्योगिक मशीनरी चीन से आने वाले आयात पर पूरी तरह टिके हुए हैं। इस संरचनात्मक निर्भरता का सीधा परिणाम यह निकलता है कि जैसे-जैसे भारत के भीतर औद्योगिक उत्पादन, असेंबलिंग और विनिर्माण गतिविधियां बढ़ती हैं, वैसे-वैसे चीनी कलपुर्जों का आयात भी स्वतः ही आनुपातिक रूप से बढ़ता चला जाता है। इसके साथ ही, चीन ने विश्वभर में दुर्लभ धातुओं (रेयर अर्थ एलिमेंट्स), लिथियम और आधुनिक उर्वरकों के उत्पादन व निर्यात पर अपना एकाधिकार स्थापित कर कड़े नियम और कोटा लागू कर रखे हैं। निःसंदेह चीन के साथ बढ़ते व्यापार घाटे को स्थायी रूप से नियंत्रित करने के लिए केवल दंडात्मक या जवाबी सीमा शुल्क लगाना कोई दीर्घकालिक और व्यावहारिक समाधान नहीं हो सकता। इसके स्थान पर भारत को एक बहुस्तरीय, केंद्रित और दूरदर्शी रणनीति पर काम करने की आवश्यकता है, जिसमें सबसे पहली प्राथमिकता इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर का मजबूत घरेलू पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करना है। भारत को केवल अंतिम उत्पादों की असेंबलिंग करने के बजाय घटकों के स्तर पर (कंपोनेंट लेवल मैन्युफैक्चरिंग) निर्माण क्रांति शुरू करनी होगी। जब तक प्रिंटेड सर्किट बोर्ड (पीसीबी), एडवांस्ड सेंसर, डिस्प्ले पैनल और सेमीकंडक्टर चिप्स का उत्पादन देश की सीमाओं के भीतर शुरू नहीं होता, तब तक यह निर्भरता समाप्त नहीं हो सकती। राष्ट्रीय सेमीकंडक्टर मिशन और उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाओं के आक्रामक क्रियान्वयन के जरिए ही अगले कुछ वर्षों में घटकों के आयात में 30 से 40 प्रतिशत तक की महत्वपूर्ण कमी लाई जा सकती है। व्यापार घाटे को कम करने की दिशा में दूसरा सबसे निर्णायक कदम फार्मास्यूटिकल्स और बल्क ड्रग क्षेत्र में 100 प्रतिशत आत्मनिर्भरता हासिल करना है। यद्यपि भारत को दुनिया की फामेर्सी कहा जाता है, लेकिन भारतीय जीवनरक्षक दवा उद्योग का अपने कच्चे माल (एपीआई) के लिए 70 प्रतिशत तक चीन पर निर्भर रहना एक बहुत बड़ा रणनीतिक और राष्ट्रीय सुरक्षा का जोखिम है।

इस संवेदनशील निर्भरता को समाप्त करने के लिए देश में घोषित बल्क ड्रग पार्कों की स्थापना में तेजी लानी होगी और 41 अति-महत्वपूर्ण एपीआई के घरेलू उत्पादन के लिए प्रोत्साहन ढांचे को धरातल पर उतारना होगा। इसके साथ ही, चीन द्वारा लगाई गई गैर-शुल्क बाधाओं का मुकाबला करने के लिए भारत को कूटनीतिक दबाव बनाने के साथ-साथ अपने देश में सख्त ह्यक्वालिटी कंट्रोल ऑर्डरह्ल (क्यूसीओ) लागू करने होंगे। भारत में घटिया और अमानक चीनी सामान की डंपिंग को रोकने के लिए कड़े मानक तय करना बेहद जरूरी है जिससे घरेलू विनिमार्ताओं को एक सुरक्षित और न्यायसंगत प्रतिस्पर्धी माहौल मिल सके। रणनीतिक दृष्टि से भारत के लिए आपूर्ति श्रृंखलाओं का व्यापक विविधीकरण और ह्यफ्रेंड-शोअरिंगह्ल की नीति को अपनाना जरूरी है। क्रिटिकल मिनरल्स, दुर्लभ धातुओं और उच्च-तकनीकी इनपुट के लिए चीन के एकल प्रभुत्व को तोड ?ा हेतु भारत को समान विचारधारा वाले मित्र राष्ट्रों के साथ मिलकर मजबूत वैकल्पिक आपूर्ति नेटवर्क तैयार करना होगा। जापान, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और यूरोपीय संघ के देशों के साथ द्विपक्षीय व बहुपक्षीय मिनरल सिक्योरिटी पार्टनरशिप को व्यावहारिक रूप देना होगा। विनिर्माण के मोर्चे पर इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मास्यूटिकल्स और ग्रीन टेक्नोलॉजी जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में तुलनात्मक रणनीति बनाकर काम करना होगा। ग्रीन टेक और ई-व्हीकल क्रांति के इस दौर में यदि भारत ने अभी से स्थानीय विनिर्माण को मजबूती प्रदान नहीं की, तो जीवाश्म ईंधन की मध्य-पूर्व पर निर्भरता समाप्त होकर केवल चीन के ग्रीन-आयात की नई निर्भरता में बदल जाएगी। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि चीन से बढ़ता व्यापार घाटा केवल आयात-निर्यात का एक साधारण आर्थिक आंकड़ा मात्र नहीं है, बल्कि यह भारत की दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता, औद्योगिक क्षमता और रणनीतिक संप्रभुता से जुड़ा हुआ एक अत्यंत संवेदनशील विषय है। भारत सरकार द्वारा अपनाया गया यह रुख सर्वथा तर्कसंगत और व्यावहारिक है कि वह केवल प्रतिशोधात्मक शुल्क लगाने जैसे अल्पकालिक उपायों के बजाय बहुपक्षीय बातचीत, कूटनीतिक दबाव और अपनी आंतरिक घरेलू विनिर्माण क्षमताओं के विस्तार का दीर्घकालिक रास्ता चुन रही है।

सामूहिक दीपयज्ञ के माध्यम से विश्व शांति, सद्भाव और मानव कल्याण की मंगलकामना की गई

तीन दिवसीय महोत्सव में नारी जागरण, विश्व बंधुत्व और युग निर्माण के संकल्पों पर हुआ मंथन

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

अखिल विश्व गायत्री परिवार की संस्थापिका एवं संरक्षिका परम वंदनीया माता भगवती देवी शर्मा जी के जन्मशताब्दी वर्ष 2026 के अवसर पर भारत सरकार ने उन्हें ऐतिहासिक सम्मान प्रदान किया। नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में 31 अक्टूबर को आयोजित भव्य समारोह में लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला एवं केंद्रीय संचार मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने माता जी के सम्मान में जारी स्मारक डाक टिकट का विमोचन किया। इस गौरवपूर्ण अवसर पर देश-विदेश से पहुंचे हजारों गायत्री परिजनों एवं श्रद्धालुओं ने करतल ध्वनि के साथ इस ऐतिहासिक पहल का स्वागत किया। केंद्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने इस सम्मान को माता जी के तप, त्याग, साधना, सेवा और नारी जागरण के लिए उनके अतुलनीय योगदान के प्रति राष्ट्र की श्रद्धांजलि बताया। लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने कहा कि माता भगवती देवी शर्मा जी ने युगऋषि पं. श्रीराम शर्मा आचार्य जी के साथ मिलकर गायत्री परिवार के विचार-विस्तार और युग निर्माण अभियान को नई दिशा प्रदान की। उनका जीवन नारी शक्ति के जागरण, संस्कार निर्माण, आत्मिक उन्नयन और समाज सेवा के आदर्शों को समर्पित रहा। स्मारक डाक टिकट





के माध्यम से उनके प्रेरणादायी जीवन-दर्शन को देश के कोने-कोने तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण प्रयास हुआ है। जन्मशताब्दी समारोह के दलनायक डॉ. चिन्मय पण्ड्या ने इस अवसर को सौभाग्य का क्षण बताते हुए कहा कि माता जी के चरणों में अर्पित यह राष्ट्रीय सम्मान आने वाली पीढ़ियों को सेवा, समर्पण, नारी सशक्तिकरण और युग निर्माण के लिए प्रेरित करता रहेगा। उन्होंने कहा कि गायत्री परिवार के लिए यह गौरव का विषय है कि भारत सरकार ने पहले गुरुदेव पं. श्रीराम शर्मा आचार्य जी के सम्मान में, फिर शांतिकुंज की स्वर्ण जयंती के अवसर पर और अब माता जी की जन्मशताब्दी पर स्मारक डाक टिकट जारी कर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की है। 31 अक्टूबर से 2 नवंबर तक आयोजित तीन दिवसीय जन्मशताब्दी महोत्सव का प्रथम दिन नारी जागरण एवं सशक्तिकरण को समर्पित रहा। दूसरे दिन, 1 नवंबर को भारतीय संस्कृति की विविधता, राष्ट्रीय एकात्मता, विश्व बंधुत्व और 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना को प्रमुखता दी गई।

गायत्री विद्यापीठ के विद्यार्थियों ने प्रज्ञा योग की प्रस्तुति दी तथा विभिन्न राज्यों से आए परिजनों ने सांस्कृतिक एकता का संदेश दिया। दोपहर के सत्र में केंद्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार ने व्यसन उन्मूलन के क्षेत्र में गायत्री परिवार की पहल की सराहना करते हुए परिजनों के योगदान के प्रति आभार व्यक्त किया और उपस्थित जनसमुदाय को व्यसनमुक्ति का संकल्प दिलाया। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने गायत्री महामंत्र जप की फलश्रुतियों पर अपने विचार रखे। उनके आग्रह पर युवाओं ने गायत्री महामंत्र का जप किया और अपनी सकारात्मक अनुभूतियां साझा कीं। सामूहिक दीपयज्ञ के माध्यम से विश्व शांति, सद्भाव और मानव कल्याण की मंगलकामना की गई। 2 नवंबर को महोत्सव का अंतिम दिन मातृशक्ति के प्रति श्रद्धांजलि, संकल्प और प्रतिज्ञा के लिए समर्पित रहा। जनवरी में हरिद्वार के वैरागी द्वीप पर आयोजित जन्मशताब्दी वर्ष के प्रथम चरण की परिचर्चा के निष्कर्षों के आधार पर इस बात पर विचार-विमर्श किया गया कि गायत्री परिवार के परिजन, संस्थान और कार्यक्रम किस प्रकार युग निर्माण के उद्देश्यों को अधिक प्रभावी ढंग से धरातल पर उतार सकते हैं।

संभागायुक्त ने भोपाल की सड़कों के बेहतर रख-रखाव के दिये निर्देश

भोपाल शहर के सभी रोड दीपावली के पहले हों गड्ढा मुक्त: संभागायुक्त कर्मवीर शर्मा

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

भोपाल संभागायुक्त श्री कर्मवीर शर्मा ने निर्देश दिए हैं कि भोपाल शहर के सभी रोड तक दीपावली तक गड्ढा मुक्त करें एवं रिंग रोड की मरम्मत की जाए। इसके साथ ही ब्लेक स्पॉट फ्री एवं चौराहों को लेफ्ट टर्न फ्री बनाने के निर्देश भी दिए गए। संभागायुक्त श्री शर्मा ने संभागायुक्त कार्यालय में सोमवार को भोपाल शहर एवं संभाग के सभी जिलों की सड़कों एवं राष्ट्रीय राजमार्गों के सम्बन्ध में सड़क निर्माण एजेंसियों की बैठक ली। बैठक में संयुक्त आयुक्त डॉ. विनोद यादव, प्रबंधक एनएचएआई श्री आकाश चौकसे, सहायक महाप्रबंधक एमपीआरडीसी भोपाल श्री आर.एस.कीर, एसईसीपीए पीडब्ल्यूडी सीमा प्रभाकर, एसई पीडब्ल्यूडी श्री सुभाष पाटिल, ईई पीडब्ल्यूडी प्रीति यादव, महाप्रबंधक भोपाल प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना श्री सनी सिंघानिया उपस्थित थे। संभाग के सभी जिलों से निर्माण एजेंसियों के अधिकारी एवं नगरीय निकायों से सीईओ वीसी के माध्यम से बैठक में उपस्थित हुए। संभागायुक्त श्री शर्मा ने बैठक में भोपाल शहर एवं आस-पास की सड़कों को



दीवाली के पूर्व मरम्मत कार्य कर गड्ढा मुक्त करने एवं ब्लैक स्पॉट दूर करने के लिए प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। बैठक में शहर के सभी मार्गों के रोड रेस्टोरेंशन का कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। बैठक में भोपाल शहर के ?आसपास के राष्ट्रीय राज्य मार्गों में मेंटेनेंस का कार्य 15 नवंबर तक पूर्ण करने तथा इज्तिमा की तैयारियों को लेकर शहर के चारों तरफ के मार्गों का कार्य 20 नवंबर तक पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इज्तिमा स्थल के लिए पहुँच मार्ग के कार्यों को तय समय में पूर्ण करें। संभागायुक्त ने कहा कि आगामी जनवरी माह में भोपाल में जीआईएस प्रस्तावित है। उन्होंने भोपाल के आसपास सांची, भोजपुर जैसे पर्यटन स्थलों की सड़कों पर भी ध्यान देने के निर्देश दिए। मेट्रो के निर्माण के दौरान क्षतिग्रस्त सड़कें सुधारने में तत्परता बरतने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि समग्र रूप से यह सुनिश्चित करें कि सड़कें बेहतर हों और आम जनता को परेशानी न हो। इसके साथ ही मेट्रो वाले मार्गों की सड़कों के लिए मेट्रो एवं संबंधित निर्माण एजेंसी आपसी समन्वय के साथ कार्य करें एवं मार्गों पर तत्काल प्रभाव से सुगम आवागमन सुनिश्चित करें। संभागायुक्त श्री शर्मा ने बैठक में निर्देश दिए वर्षाकाल में खराब हुई सडकों को दुरुस्त करें एवं कहीं भी ट्रैफिक जाम की स्थिति न बने। उन्होंने कहा कि भोपाल शहर में सड़कों के निर्माण एवं रख-रखाव के लिए कार्य कर रही सभी एजेंसियों में परस्पर समन्वय रहना चाहिए। श्री शर्मा ने संत हिरदाराम नगर में बन रहे ओवर ब्रिज की धीमी गति पर असंतोष व्यक्त किया और कहा कि यह निर्माण निर्धारित समय में पूरा होना चाहिए। इसके साथ ही रातीबड़ से सीहोर मार्ग को शीघ्र दुरूस्त कर इंदौर रोड पर ट्रैफिक के दबाब को कम करने के निर्देश दिए। संभागायुक्त श्री शर्मा ने निर्देश दिए कि बारिश के दौरान खराब हुई सड़कों के रख-रखाव का कार्य 10 दिन में पूर्ण करें। श्री शर्मा ने भोपाल शहर की ओर आने वाले मार्गों पर भी मरम्मत कराने के निर्देश दिए। उन्होंने संभाग में राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। भोपाल बायपास रोड रायसेन जंक्शन पर निर्माणाधीन फ्लाई ओवर के पास एप्रोच रोड बनाने एवं रोड सेफ्टी को ध्यान में रखते हुए साइनेज, रेडियम लगाने के निर्देश भी दिए गए।

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर करेंगे नवीन ई-ऊर्जा भवन का भूमिपूजन

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**



मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के गोविंदपुरा स्थित कॉर्पोरेट कार्यालय के विस्तार के लिए नवीन कार्यालय भवन 'ई-ऊर्जा भवन' का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर द्वारा इस भवन का भूमिपूजन 3 नवम्बर को गोविंदपुरा स्थित बिजली नहर कॉलोनी (आस्था परिसर) में किया जाएगा। कंपनी के कार्यों के विस्तार, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आधुनिक कार्यस्थल उपलब्ध कराने, सूचना प्रौद्योगिकी गतिविधियों को सुदृढ़ करने तथा विद्युत उपभोक्ताओं को बेहतर, सुगम एवं त्वरित सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से इस नवीन भवन का निर्माण किया जा रहा है। यह भवन कंपनी की कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी एवं सुव्यवस्थित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। ई-ऊर्जा भवन का निर्माण 8 करोड़ 35 लाख रुपये की राशि से किया जाएगा। लगभग 3,696 वर्ग मीटर के कुल निर्मित क्षेत्र में विकसित होने वाला यह भवन ग्राउंड फ्लोर सहित 4 मंजिलों का होगा। भवन में अधिकारियों के लिए आधुनिक केबिन, कॉन्फ्रेंस हॉल, वर्कस्टेशन, रिकॉर्ड रूम, क्रेच रूम, ट्रेनिंग रूम एवं हार्डवेयर स्टोरेज जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। भवन में दो लिफ्टों का प्रावधान किया गया है। इसके साथ ही ध्वनि नियंत्रण के लिए एकॉस्टिक पैनलिंग, फॉल्स सीलिंग तथा सुरक्षा की दृष्टि से फायर फाइटिंग एवं फायर अलार्म सिस्टम की व्यवस्था भी रहेगी। ई-ऊर्जा भवन का निर्माण कंपनी की बढ़ती कार्यालयीन आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए किया जा रहा है। आधुनिक अधोसंरचना एवं सुविधाओं से युक्त यह भवन अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बेहतर कार्य वातावरण उपलब्ध कराने के साथ ही कंपनी की कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी एवं सुव्यवस्थित बनाने में सहायक होगा।

उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने बिछिया सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का किया उद्घाटन

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने बिछिया ट्रीटमेंट प्लांट का उद्घाटन किया। इसकी कुल लागत 7.58 करोड़ रुपए है। इसकी क्षमता 6.5 एमएलडी पानी के शोधन की है। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि रीवा तेजी से विकास कर रहा है। रीवा शहर को स्वच्छ बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों के तहत शहर भर में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट बनाए गए हैं। बिछिया ट्रीटमेंट प्लांट में 10 वार्डों के सीवेज का बैक्टीरिया के माध्यम से ट्रीटमेंट किया जा रहा है। इस आधुनिक प्लांट में पहले गंदे पानी के साथ आने वाले ठोस पदार्थों को मशीन से पृथक किया जाता है। इसके बाद चार चरणों में इसका शोधन होता है। प्लांट में आने वाला



काला पानी जब शोधित होकर बाहर निकलता है तो पूरी तरह साफ होता है। इसे नदी में छोड़ा जाता है। उप मुख्यमंत्री ने मौके पर उपस्थित आमजनों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने आयुक्त नगर निगम को भूमिहीन परिवारों को पात्रता के अनुसार आवास की सुविधा देने के निर्देश दिए। कार्यक्रम में अध्यक्ष नगर निगम श्री व्यंकटेश पाण्डेय, आयुक्त नगर निगम अक्षत जैन, कार्यपालन यंत्री राजेश सिंह, अन्य अधिकारी, पार्षद श्रीमती हेमलता सिंह तथा आमजन उपस्थित रहे।

दीपोत्सव मेले में पहुंचे प्रमुख सचिव शोभित जैन ने माटी कला कार्यशाला का किया अवलोकन

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

गौहर महल में आयोजित दीपोत्सव एवं माटी कला फेस्ट में भारतीय संस्कृति, परंपरा और हस्तशिल्प की अनुपम छटा देखने को मिल रही है। मेले में पारंपरिक कलाओं, मिट्टी से निर्मित कलात्मक वस्तुओं, हस्तशिल्प उत्पादों और कलाकारों की रचनात्मक अभिव्यक्तियों ने परिसर को विशेष आकर्षण प्रदान किया है। दीपोत्सव के उल्लास के बीच यहां सजी कलाकृतियां प्रदेश की समृद्ध लोक एवं शिल्प परंपरा को जीवंत कर रही हैं। मप्र कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग के प्रमुख सचिव शोभित जैन ने सोमवार को दीपोत्सव एवं माटी कला कार्यशाला का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने कलाकारों एवं प्रतिभागियों से संवाद कर उनके हुनर,





रचनात्मक प्रयोगों और कलात्मक कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि पारंपरिक कलाकारों के पास वर्षों के अनुभव से अर्जित कला का अमूल्य ज्ञान है, जबकि नई पीढ़ी आधुनिक विज्ञान, तकनीक और नवाचार की समझ रखती है। इन दोनों का समन्वय पारंपरिक कलाओं को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकता है। भारतीय संस्कृति और परंपरा महत्वपूर्ण जैन ने कहा कि माटी कला भारतीय संस्कृति और परंपरा की महत्वपूर्ण धरोहर है। इसे संरक्षित करने के साथ-साथ आधुनिक आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित करना भी जरूरी है। हस्तशिल्प एवं माटी कला को प्रोत्साहन देने से न केवल कलाकारों को नए अवसर मिलेंगे, बल्कि स्थानीय कला और शिल्प को व्यापक पहचान भी प्राप्त होगी। उल्लेखनीय है कि हमीदिया महाविद्यालय के आलोक भावसार के मार्गदर्शन में आयोजित माटी कला कार्यशाला में कलाकार पारंपरिक विधाओं के साथ नए रचनात्मक प्रयोग कर रहे हैं। कार्यशाला के माध्यम से अनुभवी शिल्पकारों और नई पीढ़ी के प्रतिभागियों को एक मंच पर लाकर कला के ज्ञान एवं कौशल का आदान-प्रदान किया जा रहा है। मेले का एक प्रमुख आकर्षण गौहर महल परिसर में निर्मित 'गोकुलधाम' है। इसकी आकर्षक सज्जा और सांस्कृतिक प्रस्तुति ने परिसर में विशेष आध्यात्मिक एवं पारंपरिक वातावरण निर्मित किया है। गोकुलधाम भारतीय संस्कृति, लोक आस्था और कलात्मक अभिव्यक्ति का सुंदर संगम प्रस्तुत कर रहा है, जो मेले में आने वाले लोगों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

पश्चिम मध्य रेल की 9वीं राज्य स्तरीय स्काउट्स एवं गाइड्स रैली के दूसरे दिन विभिन्न खेलकूद, रचनात्मक एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन

पपेट शो और पायनियरिंग प्रोजेक्ट में प्रतिभा का प्रदर्शन, युवाओं ने टीम भावना के साथ जीता दिल

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

पश्चिम मध्य रेल भारत स्काउट्स एवं गाइड्स की 9वीं राज्य स्तरीय रैली के दूसरे दिन 2 नवंबर 2026 को रेलवे स्पोर्ट्स ग्राउंड, हबीबगंज रेलवे कॉलोनी, भोपाल में विभिन्न गतिविधियों, खेलकूद एवं रचनात्मक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। पांच दिवसीय इस राज्य स्तरीय रैली में पश्चिम मध्य रेल मुख्यालय सहित भोपाल, जबलपुर एवं कोटा मंडलों के लगभग 400 स्काउट्स, गाइड्स, रोवर्स, रेंजर्स एवं यूनिट लीडर्स उत्साहपूर्वक सहभागिता कर रहे हैं। दूसरे दिन की गतिविधियों का शुभारंभ प्रातः 05:30 बजे जागरण के साथ हुआ। इसके पश्चात प्रातः 06:30 बजे बी.पी. सिक्स एक्सरसाइज, योग एवं सूर्य नमस्कार का आयोजन किया गया। प्रतिभागियों ने शारीरिक व्यायाम एवं योग के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली, शारीरिक दक्षता एवं अनुशासन का परिचय दिया। प्रातः 09:00 बजे ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रातः 10:00 बजे शारीरिक प्रदर्शन प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें प्रतिभागियों ने अपनी शारीरिक क्षमता, अनुशासन एवं सामूहिक तालमेल का प्रदर्शन किया। इसके पश्चात 11:00 बजे रोवर एवं रेंजर वर्ग के लिए रस्साकशी तथा स्काउट एवं गाइड वर्ग के लिए रिले रेस प्रतियोगिता आयोजित की गई। इन प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए



टीम भावना, सहयोग, समन्वय एवं खेल भावना का परिचय दिया। दोपहर 15:00 बजे पपेट शो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने अपनी रचनात्मकता, कल्पनाशीलता एवं अभिव्यक्ति कौशल का प्रदर्शन किया। वहीं, 16:00 बजे रोवर वर्ग के लिए पायनियरिंग प्रोजेक्ट प्रतियोगिता एवं प्रदर्शनी प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ, जिसमें प्रतिभागियों ने स्काउटिंग कौशल, नवाचार एवं व्यावहारिक ज्ञान पर आधारित परियोजनाओं का प्रदर्शन किया। सायंकाल 17:00 बजे क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें प्रतिभागियों ने अपने सामान्य ज्ञान, तार्किक क्षमता एवं विषयगत जानकारी का प्रदर्शन किया। प्रमुख आकर्षण सायं 19:30 बजे आयोजित कैंपफायर एवं एथनिक शो प्रतियोगिता रही। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य कारखाना प्रबंधक, भोपाल उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विभिन्न मंडलों के प्रतिभागियों ने अपनी सांस्कृतिक विरासत, पारंपरिक कला एवं लोक संस्कृति पर आधारित प्रस्तुतियों के माध्यम से भारतीय संस्कृति की विविधता को प्रदर्शित किया। रैली के दूसरे दिन आयोजित विभिन्न गतिविधियों एवं प्रतियोगिताओं के माध्यम से स्काउट्स एवं गाइड्स में नेतृत्व क्षमता, आत्मनिर्भरता, शारीरिक दक्षता, रचनात्मकता, अनुशासन, टीम भावना एवं आपसी सहयोग जैसे महत्वपूर्ण गुणों को प्रोत्साहित किया गया। प्रतिभागियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने तथा एक-दूसरे से सीखने का अवसर प्राप्त हुआ। पश्चिम मध्य रेल की यह 9वीं राज्य स्तरीय स्काउट्स एवं गाइड्स रैली युवाओं के सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास, सांस्कृतिक एकता, आपसी सहयोग एवं सामाजिक सेवा की भावना को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हो रही है।



साउथ एक्सेंट पर ट्रोलिंग को लेकर बोलीं ईशा देओल

अभिनेत्री ईशा देओल 15 साल बाद एक्शन-क्राइम ड्रामा फिल्म 'प्रताप' से बॉलीवुड में वापसी कर रही हैं। अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत में साउथ इंडियन एक्टर्स के एक्सेंट को लेकर ट्रोल किए जाने पर प्रतिक्रिया दी। अभिनेत्री का कहना है कि उन्हें साउथ इंडियन एक्सेंट काफी 'प्यारा' और 'क्यूट' लगता है। ईशा ने कहा, 'जब मैं अपने डायलॉग बोलती हूं, खासकर हिंदी में, तो मैं काफी हद तक अपनी मां जैसी लगती हूं, लेकिन असल में मैं वैसी ही हूं और जिन्होंने मुझे किसी खास किरदार के लिए लिया है, वो ये बात अच्छे से जानते हैं। तो मुझे लगता है कि साउथ इंडियन लोगों का हल्का-सा एक्सेंट सुनना बहुत प्यारा और क्यूट लगता है और मुझे बहुत अच्छा लगता है।' अभिनेत्री ने आगे बताया कि बॉलीवुड में भी ऐसी कई दिग्गज अभिनेत्रियां हैं, जिनकी बोली में साउथ इंडियन एक्सेंट सुनने को मिलता है। उन्होंने कहा, 'और भी कुछ लोगों जैसे श्री आंटी, मेरी मम्मी और उर्मिला में भी साउथ इंडियन एक्सेंट सुनने को मिलता है। उर्मिला की तो मैं बहुत बड़ी फैन हूं और उनकी बोली में जो हल्का-सा एक्सेंट आता है, वो मुझे पसंद है।'

अभिनेत्री ने आगे कहा कि लोगों के बोलने के तरीके का मजाक उड़ाने के बजाय भाषाई और सांस्कृतिक विविधता की सराहना करना जरूरी है। दरअसल, साउथ इंडियन एक्सेंट को लेकर चर्चा तब तेज हो गई जब अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने करण जौहर के टॉक शो 'कॉफी विद करण सीजन 9' में अपने साउथ इंडियन एक्सेंट को लेकर होने वाली ट्रोलिंग पर खुलकर बात की थी।

इस एपिसोड में रश्मिका अपने पति और अभिनेता विजय देवरकोंडा के साथ नजर आई थीं। शो के दौरान रश्मिका ने कहा कि वे दक्षिण भारत से हैं, इसलिए उनके बोलने के लहजे में वहां की झलक होना बिल्कुल स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि इसमें परेशान होने वाली कोई बात नहीं है। रश्मिका ने यह भी बताया कि वे अपनी फिल्मों के लिए खुद अलग-अलग भाषाओं में डबिंग करने में गर्व महसूस करती हैं। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन ट्रोलिंग उन्हें अपना काम करने से नहीं रोक सकती।



पहली बार पंकज त्रिपाठी के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी अदिति राव हैदर

अभिनेत्री अदिति राव हैदरी आगामी पारिवारिक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म 'पारिवारिक मनोरंजन' में अभिनेता पंकज त्रिपाठी के साथ नजर आएंगी। अभिनेत्री ने बताया कि को-स्टार पंकज त्रिपाठी के साथ काम करना उनके मजेदार अनुभवों में से एक रहा। अभिनेत्री का कहना है कि पंकज त्रिपाठी का सहज ह्यूमर सीन को हल्का और मजेदार बनाने में मदद करता है। अदिति राव हैदरी ने कहा, 'पंकज जी के साथ पहली बार स्क्रीन शेयर करना सच में बहुत खुशी की बात थी। उनका ह्यूमर इतना सहज और नेचुरल है कि हर सीन हल्का और ज्यादा मजेदार लगने लगा।' अभिनेत्री इस फिल्म में 'हेलेन' नाम का किरदार निभा रही हैं, जो एक प्रॉपर्टी मैनेजर और हाउसकीपर के रूप में रंजन के घर आती हैं। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए अभिनेत्री अदिति राव हैदरी ने कहा, 'यह एक ऐसी फिल्म है, जिसमें हमारे दर्शकों को रोमांस, ह्यूमर और फैमिली ड्रामा देखने को मिलेगा। यह एक ऐसी फिल्म है, जिसे हमारे दर्शक चाहने वालों के साथ देखना पसंद करेंगे। मुझे इस किरदार के साथ काम करने में बहुत मजा आया है। उसकी खूबियों को और वो अपने आसपास के लोगों से कैसे जुड़ती है, ये सब खोजने में।'

वहीं, पंकज त्रिपाठी ने फिल्म को लेकर कहा, 'मुझे इस फिल्म में इसकी सादगी, किरदारों का असल जिंदगी से जुड़ा होना और ह्यूमर के छोटे-छोटे पल बहुत पसंद आए, जो फैमिली स्टोरीज को खास बनाते हैं। इसमें परिवार की गर्मजोशी है, थोड़ा रोमांस है और वो मजा है जो इसे त्योहारों में देखने के लिए परफेक्ट बनाता है। इस फिल्म का हिस्सा बनकर मुझे बहुत अच्छा लगा और मैं चाहता हूं कि दर्शक भी अपने चाहने वालों के साथ इस फिल्म को एन्जॉय करें।'

यह फिल्म एक फैमिली एंटरटेनर है, जिसमें रोमांस, ह्यूमर और फैमिली ड्रामा का तड़का है। फिल्म का मकसद त्योहारों के मौके पर दर्शकों को एक हल्की-फुल्की फिल्म देना है, जिसे वे अपने परिवार के साथ एन्जॉय कर सकें। 'पारिवारिक मनोरंजन' अदिति और पंकज की साथ में पहली फिल्म है, जो 13 नवंबर को सोनी लिव पर रिलीज होगी।



आईपीएस नित्या रेड्डी बन न्याय के लिए उठाएंगी आवाज़ साई पल्लवी

ओमः चैप्टर 1' को लेकर दर्शकों का उत्साह लगातार बढ़ रहा है। इसी बीच फिल्म के निर्माताओं ने साई पल्लवी के किरदार आईपीएस नित्या रेड्डी का नया टीज़र जारी कर दिया है। टीज़र में साई पल्लवी एक बिल्कुल नए और दमदार अवतार में नज़र आ रही हैं, जो धनुष और ममूटी अभिनीत इस बहुप्रतीक्षित फिल्म में एक नया रोमांच जोड़ता है। अपनी शानदार अदाकारी और सहज पर्दे पर मौजूदगी के लिए मशहूर साई पल्लवी इस बार खाकी वर्दी में नज़र आएंगी। 'ओमः चैप्टर 1' के नए टीज़र में उनके किरदार की झलक देखने को मिलती है, लेकिन कहानी में उनकी भूमिका क्या मोड़ लेकर आएगी, इसे लेकर निर्माताओं ने फिलहाल रहस्य बरकरार रखा है। साई पल्लवी के अभिनय सफर में यह किरदार एक दिलचस्प नया पड़ाव माना जा रहा है। अपने पिछले किरदारों से अलग, इस बार वह एक पुलिस अधिकारी के रूप में न्याय के लिए खड़ी नज़र आएंगी। भारतीय सिनेमा के कुछ बेहतरीन कलाकारों से सजी इस फिल्म में उनकी एंट्री ने दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ा दी है।

फिल्म में साई पल्लवी की भूमिका को लेकर आरटेक स्टूडियोज की निर्माता श्रद्धा अग्रवाल ने कहा, 'साई पल्लवी एक शानदार अभिनेत्री हैं और हम हमेशा से उनकी अदाकारी में नज़र आने वाली ईमानदारी और सहजता के प्रशंसक रहे हैं। नित्या रेड्डी फिल्म का एक अहम किरदार है और इस भूमिका के लिए हमें उनसे बेहतर अभिनेत्री नहीं मिल सकती थी। उन्हें फिल्म से जोड़ना हमारे लिए बेहद खुशी की बात रही है और हम दर्शकों को इस भूमिका में उन्हें देखने का इंतज़ार कर रहे हैं।'



राजकुमार पेरियासामी के निर्देशन में बन रही 'ओमः चैप्टर 1' में धनुष और ममूटी के साथ साई पल्लवी, श्रीलीला और नसीरुद्दीन शाह भी अहम भूमिकाओं में नज़र आएंगे। आरटेक स्टूडियोज और वंडरबार फिल्म्स के बैनर तले बन रही यह फिल्म बड़े पैमाने पर तैयार की जा रही एक एक्शन थ्रिलर यानी रोमांच और जबरदस्त एक्शन से भरपूर फिल्म है। साई पल्लवी के परिचय टीज़र के साथ निर्माताओं ने 'ओमः चैप्टर 1' की दुनिया की एक और झलक पेश की है।

ऑस्कर की दौड़ में शामिल हुई प्रियंका चोपड़ा की शॉर्ट फिल्म 'वी वर हियर'



अभिनेत्री और निर्माता प्रियंका चोपड़ा जोनस की भारतीय शॉर्ट फिल्म 'वी वर हियर' को ऑस्कर की रेस में शामिल होने के लिए योग्य हो गई है। इस उपलब्धि पर खुशी जताते हुए प्रियंका ने कहा कि यह फिल्म एक समकालीन और महत्वपूर्ण विषय को नए तथा दिलचस्प अंदाज में प्रस्तुत करती है। प्रियंका चोपड़ा जोनस इस फिल्म से कार्यकारी निर्माता के रूप में जुड़ी हैं। शॉर्ट फिल्म 'वी वर हियर' एक मॉक्यूमेंट्री है, जो भारत के एक छोटे शहर में रहने वाले तीन ऐसे बुजुर्गों की कहानी दिखाती है, जो एआई के बढ़ते प्रभाव का विरोध करने के लिए घरेलू उपकरणों का रूप धारण कर लेते हैं। फिल्म को कई बड़े शॉर्ट फिल्म फेस्टिवलों में अवॉर्ड मिल चुके हैं। पाम स्प्रिंग्स इंटरनेशनल शॉर्टफेस्ट में 'बेस्ट लाइव-एक्शन शॉर्ट फिल्म' और 'बेस्ट कॉमेडी शॉर्ट' का पुरस्कार जीतने के बाद यह फिल्म ऑस्कर की दौड़ में शामिल होने के योग्य हो गई है। अभिनेत्री-प्रोड्यूसर प्रियंका चोपड़ा जोनस ने कहा, 'यह फिल्म एक ऐसे विषय पर मजेदार अंदाज में बात करती है, जो आज के समय में बहुत जरूरी है। मैं इस क्रिएटिव टीम को सपोर्ट करने के लिए एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर के तौर पर तुरंत तैयार हो गई, ताकि उनकी कहानी ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचे।'





बॉलीवुड में किसी को किसी की कद्र नहीं

मनोज बाजपेयी इन दिनों बॉलीवुड से कुछ ज्यादा ही नाराज चल रहे हैं। चार बार नेशनल फिल्म अवॉर्ड जीत चुके मनोज की पिछली दो फिल्में 'लास्ट मैन इन टावर' और 'गर्वनर' बॉक्स ऑफिस पर डिजास्टर साबित हुई हैं। इन दिनों वह नेटफ्लिक्स पर रिलीज अपनी फिल्म 'गजब रात' को लेकर चर्चा में हैं। हालांकि, इस फिल्म को भी बहुत अच्छे रिव्यूज नहीं मिले हैं। इस बीच 57 साल के एक्टर ने फिल्म इंडस्ट्री को 'एक बड़ा परिवार' मानने वाली आम धारणा को चुनौती दी है। 'गजब रात' के प्रमोशन के दौरान मनोज बाजपेयी ने कहा कि 'यह इंडस्ट्री बकवास है' और यहां किसी को किसी की कोई कद्र नहीं है।

फिल्म इंडस्ट्री कोई परिवार नहीं, ये भ्रम है

बातचीत में मनोज बाजपेयी ने कहा, 'अगर आप मुझे एक उदाहरण मानना चाहें, तो मैं एक उदाहरण हूं। मैं फिल्म इंडस्ट्री से हूं, फिर भी मुझे नहीं लगता कि मैं इसका हिस्सा हूं। जरूरी नहीं कि आप बांद्रा से ही हों। आप मलाड में रहकर भी एक्टिंग कर सकते हैं। अहम बात यह है कि आप जो भी करें, वह अच्छा हो। बाकी बातों से कोई फर्क नहीं पड़ता। असल में कोई 'परिवार' या 'बिरादरी' जैसी चीज नहीं होती। सबसे बड़ा भ्रम यही है कि यह इंडस्ट्री एक परिवार है। यह किसी परिवार की तरह नहीं है। सबके ऑफिस अलग-अलग हैं, कोई किसी के साथ पार्टी नहीं करता और अगर किसी को किसी की फिल्म पसंद आ जाए, तो भी कोई फोन करके तारीफ नहीं करता।'

यहां कोई किसी की सफलता से खुश नहीं होता

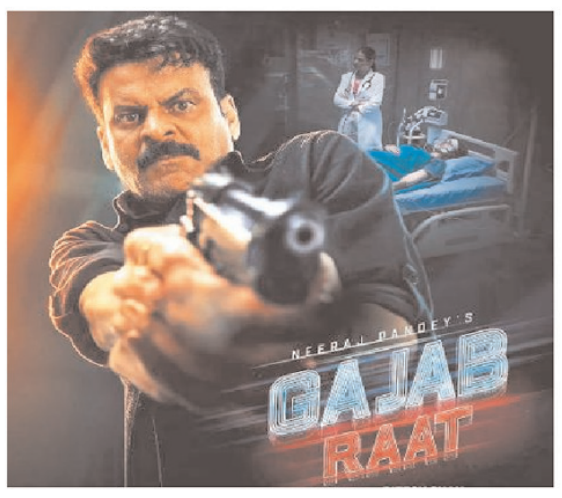
'गजब रात' एक्टर मनोज बाजपेयी ने दो टूक कहा कि इंडस्ट्री में कोई भी एक्टर किसी दूसरे की सफलता देखकर खुश नहीं होता। कोई भी डायरेक्टर खुद को दूसरे निर्देशक से कम नहीं समझता। कोई भी प्रोडक्शन हाउस किसी दूसरे प्रोडक्शन हाउस को ज्यादा पैसे कमाते देखकर खुश नहीं होता। इसलिए, इन सब बातों को अपने दिमाग से निकाल देना चाहिए।

मैं काम करता हूं, पैसे लेता हूं और घर जाता हूं

साल 2024 में ओटीटी पर रिलीज 'गुलमोहर' के लिए नेशनल अवॉर्ड पाने वाले मनोज बाजपेयी कहते हैं, 'आप अकेले आए हैं और जब आप जाएंगे, तब भी अकेले ही जाएंगे। वैसे, इस तरह की सलाह देने के लिए मैं शायद सही इंसान नहीं हूं। मैं आपको पहले ही यह डिस्क्लेमर दे देता हूं, क्योंकि मैं किसी को भी इस तरह से नहीं मानता। मैं अपना काम करता हूं, अपने पैसे लेता हूं और घर वापस आ जाता हूं।'

इंडस्ट्री में कोई भाईचारा नहीं कोई मदद के लिए नहीं आता

'सत्या' में भीखू म्हात्रे के किरदार से सिनेमा की दुनिया में चमकने वाले मनोज बाजपेयी ने आगे बताया कि वे अपने काम के तरीके पर न तो आलोचना का असर पड़ने देते हैं और न ही तारीफ का। वह कहते हैं, 'अगर आप मेरी आलोचना कर रहे हैं, तो कृपया अपने घर पर ही रहें। अगर वे मेरे बारे में कुछ अच्छी बातें कह रहे हैं, तो मैं उन्हें सुनने के लिए बहुत दूर रहता हूं। इसलिए कोई लगाव नहीं है। मुझे छोड़िए, इंडस्ट्री का कोई भी व्यक्ति, चाहे वे कितनी भी बार यह कहें कि 'इंडस्ट्री एक परिवार है' – नहीं, यह सब बकवास है। यहां कोई भाईचारा नहीं है। हम सभी अपनी-अपनी लड़ाई लड़ रहे हैं और अपनी लड़ाई लड़ने के लिए आपको पूरी तरह तैयार रहना चाहिए। कोई भी आपकी मदद करने नहीं आएगा। अगर कोई आपकी मदद के लिए आ जाए, तो समझ लीजिए कि वह आपका एक अच्छा दिन था, बस इतना ही।'



मुरैना में सुरक्षित बचपन अभियान के तहत विधिक साक्षरता शिविर संपन्न

विद्यार्थियों को बाल अधिकार, पॉक्सो एक्ट एवं निःशुल्क सहायता हेल्पलाइन की दी जानकारी

एक सत बुलेटिन, मुरैना



मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार और प्रधान जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुरैना की अध्यक्ष श्रीमती संगीता मदान के कुशल मार्गदर्शन में जिले में चलाए जा रहे साप्ताहिक कार्यक्रम 'सुरक्षित बचपन अभियान' के अंतर्गत सोमवार को महत्वपूर्ण आयोजन किए गए। इसके तहत शहर के शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-1 मुरैना और शासकीय मॉडल विद्यालय मुरैना में भव्य विधिक साक्षरता शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान न्याय विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों और विषय विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को उनके कानूनी अधिकारों, सुरक्षा के प्रावधानों और जीवन प्रबंधन के जरूरी पहलुओं से विस्तार से अवगत कराया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना और समाज में सुरक्षित माहौल का निर्माण करना रहा। 'मेरा बचपन मेरा अधिकार' और हेल्पलाईन 15100 की जानकारी शिविर में जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव दिनेश सिंह राणा ने बच्चों को 'मेरा बचपन मेरा अधिकार' और 'कानून जानो बचपन बचाओ' विषय पर महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने नेशनल लीगल सर्विसेज अथॉरिटी यानी नालसा की बच्चों के लिए बाल-अनुकूल कानूनी सेवाएं योजना के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही, बच्चों को आपातकालीन स्थिति या सहायता के लिए राष्ट्रीय विधिक सहायता हेल्पलाइन नंबर 15100 की जानकारी देते हुए इसका उपयोग करने के बारे में प्रेरित किया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने विद्यार्थियों को बोर्ड परीक्षा और दैनिक जीवन में सफलता हासिल करने के लिए टाइम मैनेजमेंट के व्यावहारिक टिप्स भी दिए। पॉक्सो एक्ट और किशोर न्याय बोर्ड की प्रक्रिया से कराया अवगत कार्यक्रम में पॉक्सो एक्ट के विशेष जिला न्यायाधीश श्रीमती चारुलता दांगी ने छात्र-छात्राओं को पॉक्सो एक्ट के प्रावधानों, बच्चों की सुरक्षा और आयु निर्धारण की कानूनी प्रक्रिया के बारे में सरल भाषा में समझाया। उन्होंने बच्चों को गुड टच और बैड टच के अंतर को समझते हुए सुरक्षित रहने के तरीके बताए। वहीं, किशोर न्याय बोर्ड मुरैना की प्रिंसिपल मजिस्ट्रेट श्रीमती ज्योत्सना तोमर ने बच्चों को किशोर न्याय बोर्ड की पूरी कार्यप्रणाली और न्यायिक प्रक्रिया से परिचित कराया, ताकि वे कानून की बुनियादी बातों से वाकिफ रह सकें। प्रशासनिक व विभागीय अधिकारियों की रही गरिमामयी उपस्थिति विधिक साक्षरता शिविर के दौरान विभिन्न विभागों के प्रमुख अधिकारी और शिक्षा जगत से जुड़े लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर जिला विधिक सहायता अधिकारी बृजेन्द्र सिंह भदौरिया, महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से अपूर्वा चौधरी और बृजराज शर्मा, तथा पुलिस विभाग की ओर से निरीक्षक श्रीमती राजकुमारी परमार ने भी बच्चों का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम के अंत में उत्कृष्ट विद्यालय क्रमांक-1 के प्रिंसिपल मुकेश शांडिल्य और मॉडल विद्यालय के प्रिंसिपल रामभोग शर्मा ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

एक सत बुलेटिन के मुरैना संस्करण के लोकार्पण समारोह में मौजूद रहे कृषि मंत्री ऐदल सिंह कंसाना



एक सत बुलेटिन, मुरैना।

'एक सत बुलेटिन' समाचार पत्र के मुरैना संस्करण के लोकार्पण एवं कार्यालय उद्घाटन समारोह में मध्यप्रदेश के कृषि मंत्री ऐदल सिंह कंसाना मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने समाचार पत्र के मुरैना संस्करण के शुभारंभ पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कृषि मंत्री ऐदल सिंह कंसाना ने कहा कि अखबार शासन-प्रशासन और समाज के बीच संवाद सेतु का कार्य करता है। विशेष रूप से छोटे-छोटे गांवों, तहसीलों और स्थानीय क्षेत्रों में प्रिंट मीडिया की भूमिका महत्वपूर्ण है। स्थानीय समस्याओं और जनसरोकार के मुद्दों को सामने लाने में समाचार पत्रों की अहम भूमिका रहती है। कृषि मंत्री ने कहा कि आज डिजिटल मीडिया का दौर है, लेकिन इसके बावजूद वे नियमित रूप से अखबार पढ़ते हैं। उन्होंने कहा कि प्रिंट मीडिया की अपनी विश्वसनीयता और उपयोगिता है तथा स्थानीय स्तर पर समाचार पत्र जनता की आवाज को जिम्मेदार मंच प्रदान करते हैं। इस अवसर पर कृषि मंत्री ने मध्यप्रदेश स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों, पत्रकारों एवं गणमान्य नागरिकों को बधाई दी। उन्होंने 'एक सत बुलेटिन' के मुरैना संस्करण के माध्यम से क्षेत्र की स्थानीय खबरों, जनसमस्याओं और जनसरोकार से जुड़े विषयों को प्रमुखता मिलने की अपेक्षा व्यक्त की।

किसानों को गुणवत्तायुक्त कृषि सामग्री निर्धारित दरों पर उपलब्ध कराने के लिए जिला स्तरीय निरीक्षण दल गठित



कालाबाजारी, अवैध भंडारण एवं अधिक दाम वसूलने वालों के विरुद्ध होगी सख्त कार्रवाई

एक सत बुलेटिन, मुरैना

किसानों को गुणवत्तायुक्त उर्वरक, प्रमाणित बीज एवं मानक स्तर के कीटनाशक निर्धारित दरों पर उपलब्ध कराने तथा कृषि आदान सामग्री के अवैध भंडारण, कालाबाजारी एवं अधिक मूल्य पर विक्रय जैसी अनियमितताओं पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए उप संचालक, किसान कल्याण तथा कृषि विकास श्री अनंत सड़ैया द्वारा जिला स्तरीय निरीक्षण दल का गठन किया गया है। गठित निरीक्षण दल में सहायक संचालक कृषि ओमवीर सिंह भदौरिया को प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया गया है।

वहीं, संबंधित विकासखंड के वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, तकनीकी सहायक श्री चन्द्रपाल सिंह राठौर तथा कृषि विस्तार अधिकारी श्री रामकृष्ण तिवारी को दल में सहायक के रूप में शामिल किया गया है। निरीक्षण दल द्वारा जिले के उर्वरक, बीज एवं कीटनाशक विक्रय केंद्रों का नियमित निरीक्षण कर कृषि आदान सामग्री की गुणवत्ता, निर्धारित विक्रय दरों एवं संबंधित अभिलेखों की जांच की जाएगी। साथ ही यह सुनिश्चित किया जाएगा कि सभी विक्रय केंद्र वैध अनुज्ञप्ति के आधार पर संचालित हों तथा किसानों को गुणवत्तायुक्त कृषि सामग्री निर्धारित दरों पर उपलब्ध हो। दल द्वारा बिना वैध अनुज्ञप्ति के व्यवसाय करने, अवैध भंडारण, कालाबाजारी, अधिक मूल्य पर विक्रय सहित अन्य अनियमितताओं पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। निरीक्षण के दौरान किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर संबंधित अभिलेखों एवं साक्ष्यों के आधार पर विक्रेता के विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

जारी आदेश के अनुसार निरीक्षण दल को तत्काल प्रभाव से कार्रवाई प्रारंभ करने तथा निरीक्षण प्रतिवेदन प्रस्तुत कर संबंधित अधिकारी को अवगत कराने के निर्देश दिए गए हैं। इस कार्रवाई का उद्देश्य जिले में कृषि आदान सामग्री की गुणवत्ता एवं पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करना, विक्रय व्यवस्था में पारदर्शिता बनाए रखना तथा किसानों को उचित दरों पर प्रमाणित एवं गुणवत्तायुक्त कृषि सामग्री उपलब्ध कराकर उनके हितों का संरक्षण करना है।

कलेक्टर ने अनुमति प्राप्त मैरिज गार्डन, रिसॉर्ट एवं धर्मशालाओं में ही आयोजन करने की अपील की

मुरैना ! नगर निगम मुरैना क्षेत्र में निर्धारित मानकों के अनुरूप अनुमति प्राप्त मैरिज गार्डन, रिसॉर्ट एवं धर्मशालाओं की सूची जारी की गई है। इनमें वार्ड क्रमांक 01 में अम्बाह बायपास रोड स्थित अटूट बंधन मैरिज होम एवं कान्हा रिसॉर्ट, वार्ड क्रमांक 30 में नन्दे का पुरा स्थित माँ भगवती पैलेस, वार्ड क्रमांक 04 में ए.बी. रोड स्थित इन्द्रलोक गार्डन एवं कसाना ग्रांड शामिल हैं। इसी प्रकार वार्ड क्रमांक 47 में जौरा रोड स्थित शहनाई रिसॉर्ट, वार्ड क्रमांक 13 में केशव कॉलोनी स्थित बी.एन. गार्डन एवं नाला नंबर एक रोड स्थित रॉयल पैलेस, वार्ड क्रमांक 15 में माधवपुरा पुलिया स्थित मंगल वाटिका एवं माधवपुरा रोड स्थित बालाजी गार्डन तथा वार्ड क्रमांक 14 में माधवपुरा पुलिया स्थित गोकुल गार्डन शामिल हैं। इसके अलावा वार्ड क्रमांक 35 में शिकारपुर रोड स्थित बांके बिहारी गार्डन, वार्ड क्रमांक 38 में गांधी कॉलोनी स्थित राधिका पैलेस, वार्ड क्रमांक 39 में एम.एस. रोड स्थित होटल सोबरन एवं मित्तल धर्मशाला तथा वार्ड क्रमांक 41 में टी.आर. पुरम स्थित अग्रवाल सेवा सदन भी निर्धारित मानकों के अनुरूप अनुमति प्राप्त स्थलों की सूची में शामिल हैं। विवाह एवं अन्य मांगलिक आयोजनों के लिए निर्धारित मानकों के अनुरूप विधिवत अनुमति प्राप्त मैरिज गार्डन, रिसॉर्ट एवं धर्मशालाओं की ही बुकिंग करें।

निम्हांस, बेंगलुरु के विशेषज्ञ दे रहे प्रशिक्षण, प्रदेश के 105 प्रतिभागी होंगे लाभान्वित

आपदा प्रबंधन में मानसिक स्वास्थ्य एवं मनोसामाजिक सहायता पर 5 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित

एक सत बुलेटिन, भोपाल



आपदा की स्थिति में प्रभावित लोगों को मानसिक स्वास्थ्य एवं मनोसामाजिक सहायता उपलब्ध कराने तथा स्वास्थ्य सेवाओं की त्वरित और प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आरआरडी, भोपाल में पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की जा रही है। भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की केंद्रीय क्षेत्रीय योजना (ईएमआर-डीएम सेल) के अंतर्गत मध्यप्रदेश लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के सहयोग से आयोजित इस कार्यशाला में निम्हांस, बेंगलुरु के विशेषज्ञ प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं। कार्यशाला के अंतर्गत प्रदेश के कुल 105 प्रतिभागियों को तीन चरणों में प्रशिक्षित किया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान आपदा प्रभावित व्यक्तियों की पहचान, मानसिक आघात एवं तनाव का प्रबंधन, प्राथमिक मनोसामाजिक सहायता , संकट की स्थिति में प्रभावी संवाद, सामुदायिक सहयोग तथा मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं के समन्वय जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य प्राकृतिक एवं मानवजनित आपदाओं के दौरान स्वास्थ्य विभाग की तैयारी और त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता को सुदृढ़ करना है। इसके साथ ही आपदा प्रभावित व्यक्तियों एवं समुदायों को समय पर गुणवत्तापूर्ण मानसिक स्वास्थ्य एवं मनोसामाजिक सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्रशिक्षित मानव संसाधन तैयार करना भी इस पहल का महत्वपूर्ण लक्ष्य है। इस प्रशिक्षण से आपदा प्रबंधन के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं के बेहतर समन्वय, संवेदनशील एवं प्रभावी सहायता तथा प्रभावित समुदायों के मानसिक स्वास्थ्य संरक्षण को मजबूती मिलेगी।

स्वामित्व योजना की प्रगति की नियमित समीक्षा करें: संभागायुक्त कर्मवीर शर्मा

एक सत बुलेटिन, भोपाल



संभागायुक्त श्री कर्मवीर शर्मा ने निर्देश दिए हैं कि संभाग के सभी जिलों में शासन की महत्वाकांक्षी स्वामित्व योजना की प्रगति की नियमित समीक्षा कर संभाग को प्रदेश में अव्वल बनाएं। साथ ही राजस्व, लोकसेवा गारंटी प्रबंधन एवं विभिन्न शाखाओं में लंबित प्रकरणों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करें। संभागायुक्त श्री शर्मा ने सोमवार को कमिश्नर कार्यालय सभागार में संभागायुक्त कार्यालय की विभिन्न शाखाओं के लंबित प्रकरणों एवं स्वामित्व योजना की समीक्षा बैठक ली। बैठक में संयुक्त आयुक्त डॉ. विनोद यादव, उपायुक्त राजस्व श्रीमती भारती देवी मिश्रा और सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में संभागायुक्त श्री शर्मा ने लंबित भूमि आवंटन प्रकरण, सीएम हेल्पलाइन के प्रकरण, लोकसेवा गारंटी अधिनियम प्रकरण, आयुक्त कार्यालय की विकास शाखा में लंबित प्रकरणों के त्वरित समाधान के निर्देश दिए। भोपाल जिले में राजस्व एवं लोकसेवा गारंटी योजना के लंबित प्रकरणों की संख्या अधिक होने से उन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए। संभागायुक्त श्री शर्मा ने राजस्व एवं लोकसेवा प्रबंधन में संभाग में लंबित प्रकरणों एवं 50 दिन से अधिक की लंबित विभागीय शिकायतों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। इसके साथ ही संभाग के सभी जिलों में पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के लिए भोपाल एवं रायसेन के संबंधित अधिकारियों से स्पष्टीकरण लेने के निर्देश दिए जाए। छात्रवृत्ति के लंबित प्रकरणों का भी शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए गए।

स्वामित्व योजना में प्रगति लाने के दिए सख्त निर्देश लखखी मेले की तैयारियों की समीक्षा

दतिया! कलेक्टर स्वप्निल वानखड़े की अध्यक्षता में आज सोमवार को कलेक्ट्रेट कार्याल के सभाकक्ष में टीएल बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान 9 नवम्बर से रतनगढ माता मंदिर पर आयोजित होने वाले प्रसिद्ध लख्खी मेले की तैयारियों सहित विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं समय-सीमा के लंबित प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक के दौरान विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे। कलेक्टर श्री वानखड़े ने लख्खी मेले में ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि सभी अधिकारी मेले से पूर्व अपने-अपने आवंटित क्षेत्रों का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लें। साथ ही अपनी जिम्मेदारियों का पूर्ण गंभीरता एवं तत्परता से निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि किसी भी परिस्थिति में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी विभाग आपसी समन्वय एवं बेहतर तालमेल के साथ कार्य करते हुए मेले का सफल आयोजन सुनिश्चित करें। उन्होंने एसडीओ वन को निर्देश दिए कि बंदरों के रेस्क्यू के लिए पर्याप्त पिंजरों की व्यवस्था के साथ रेस्क्यू टीम को सक्रिय रखा जाए। सिंचाई विभाग को उत्तर प्रदेश के संबंधित अधिकारियों से समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए, ताकि मेले के दौरान बांध से नदी में पानी न छोड़ा जाए।



किसान नरवाई जलाने से बचें, फसल अवशेषों का वैज्ञानिक प्रबंधन अपनाएं

नरवाई प्रबंधन से मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने के साथ पर्यावरण संरक्षण में भी मिलेगी मदद

एक सत बुलेटिन, मुरैना



फसल कटाई के बाद खेतों में बचने वाले फसल अवशेषों (नरवाई) को जलाने के बजाय उनका वैज्ञानिक प्रबंधन अपनाकर भूमि की उर्वरता बनाए रखने और पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है। नरवाई जलाने से वायु प्रदूषण बढ़ता है तथा मिट्टी में मौजूद लाभकारी सूक्ष्मजीवों को नुकसान पहुंचता है। इसे ध्यान में रखते हुए किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग, जिला मुरैना ने किसानों से नरवाई नहीं जलाने और आधुनिक कृषि यंत्रों एवं उन्नत तकनीकों के माध्यम से फसल अवशेषों का समुचित प्रबंधन करने की अपील की है। कृषि विभाग ने बताया है कि नरवाई प्रबंधन के लिए सुपर सीडर, स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम (एसएमएस), स्ट्रॉ रीपर, बेलर, जैविक अपघटक, मल्चर, श्रेडर, रोटावेटर तथा मल्चिंग जैसी तकनीकों का उपयोग किया जा सकता है। सुपर सीडर की सहायता से फसल अवशेषों को खेत में मिलाते हुए सीधे गेहूं की बुवाई की जा सकती है। वहीं, स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम के माध्यम से कंबाइन हार्वेस्टर से कटाई के दौरान फसल अवशेषों को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर खेत में समान रूप से फैलाया जा सकता है। स्ट्रॉ रीपर से भूसा तैयार किया जा सकता है, जबकि बेलर की मदद से फसल अवशेषों की गठानें बनाकर उनका संग्रहण एवं उपयोग किया जा सकता है। इसी प्रकार मल्चर, श्रेडर और रोटावेटर की सहायता से नरवाई को खेत में मिलाकर भूमि की गुणवत्ता में सुधार किया जा सकता है। फसल अवशेषों के प्रभावी प्रबंधन के लिए जैविक अपघटक का उपयोग भी एक उपयोगी विकल्प है। इसके माध्यम से अवशेषों को विघटित कर जैविक पदार्थों में परिवर्तित करने में सहायता मिलती है। इसके अतिरिक्त, मल्चिंग तकनीक के तहत खेत की सतह पर फसल अवशेषों का उपयोग करने से मिट्टी की नमी बनाए रखने और खरपतवारों की वृद्धि नियंत्रित करने में मदद मिलती है। नरवाई का वैज्ञानिक प्रबंधन करने से मिट्टी में जैविक पदार्थों की मात्रा बढ़ती है तथा भूमि की उर्वरता और मिट्टी का स्वास्थ्य बेहतर बना रहता है। इससे मिट्टी की नमी संरक्षित करने, वायु प्रदूषण कम करने और कृषि संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करने में भी मदद मिलती है। फसल अवशेषों का उचित प्रबंधन न केवल कृषि उत्पादन की निरंतरता बनाए रखने में सहायक है, बल्कि टिकाऊ एवं पर्यावरण अनुकूल खेती को भी प्रोत्साहित करता है। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे फसल अवशेषों को जलाने के बजाय उनका उपयोग जैविक खाद बनाने तथा खेत की उर्वरता बढ़ाने में करें। नरवाई का वैज्ञानिक प्रबंधन अपनाकर मिट्टी की सेहत सुरक्षित रखें, वायु प्रदूषण को कम करने में सहयोग दें और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाएं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में हुई वीर भारत न्यास कार्यसमिति की बैठक

देश में हर साल दो को मिलेंगे 12-12 लाख की वीर भारत फैलोशिप: मुख्यमंत्री मोहन

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्राचीनतम से आधुनिक इतिहास के मुख्य आयामों और भारत का राष्ट्र स्वरूप स्थापित करने में अपना योगदान देने वाले चिंतकों, कलाकारों, वैज्ञानिकों से जुड़ी गतिविधियों और देश-प्रदेश की संस्कृति पर कार्य के लिए 'वीर भारत' फैलोशिप प्रदान की जाएगी। प्रतिवर्ष दो फैलोशिप प्रदान की जाएंगी, फैलोशिप की राशि 12 लाख रुपए प्रति अध्येता होगी, यह फैलोशिप एक वर्ष की अवधि के लिए दी जाएगी। बैतूल में केन्द्र सरकार के सहयोग से आरण्यक युगयुगीन जनजातीय संग्रहालय स्थापित किया जाएगा। जिसमें जनजातीय इतिहास गैलरी, जनजातीय स्वाधीनता आंदोलन, जनजातीय शोध केन्द्र और डिजीटल रिपॉजिटरी स्थापित होंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस आश्रय के प्रस्ताव को वीर भारत न्यास की कार्यकारी समिति की बैठक में अनुमोदित किया। बैठक में भारतीय इतिहास, संस्कृति और वैभवपूर्ण विरासत को प्रदर्शित करने के उद्देश्य से उज्जैन कोठी महल में स्थापित हो रहे वीर भारत संग्रहालय के निर्माण को भी स्वीकृति दी गई। मंत्रालय में हुई इस बैठक में संस्कृति राज्य मंत्री श्री धमेन्द्र भावसिंह लोधी वर्चुअली शामिल हुए। केवल युद्धों और योद्धाओं की कथा मात्र नहीं अपितु भारत की आंतरिक शक्ति से विश्व का परिचय कराना आवश्यक मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि केवल युद्धों और योद्धाओं की कथा मात्र नहीं अपितु भारत की आंतरिक शक्ति, उसके सोचने-एकजुट होने-प्रश्न करने, रक्षा और त्याग करने तथा सृजन के सामर्थ्य से विश्व को अवगत कराना आवश्यक है। उज्जैन में स्थापित होने वाला वीर भारत संग्राहलय इस केन्द्रीय भाव को प्रतिपादित करेगा कि भारत के इतिहास में वीरता का अर्थ कभी केवल युद्ध के साहस तक सीमित नहीं रहा। संग्रहालय, योद्धा के साथ-साथ ऋषि, शिक्षक, गणितज्ञ, समाज सुधारक, विधि निर्माता और तीर्थ यात्रियों को भी प्रदर्शित करेगा।

अंतर्विभागीय समन्वय समिति बैठक

बीडीए और नगर निगम आपसी समन्वय से विकास कार्यों को गति दें: संभागायुक्त कर्मवीर शर्मा

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**



संभागायुक्त श्री कर्मवीर शर्मा ने निर्देश दिए हैं कि विभिन्न विभागों के अधिकारी अंर्तविभागीय विषयों में पूर्ण आपसी समन्वय से शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन एवं विकास कार्यों को गति दें जिससे उनका पूरा - पूरा लाभ समय पर जनता को मिल सके। संभागायुक्त श्री शर्मा ने सोमवार को भोपाल विकास प्राधिकरण एवं भोपाल नगर निगम के अधिकारियों की संयुक्त बैठक ली। बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री रामप्रकाश अहिरवार, संयुक्त आयुक्त राजस्व डॉ. विनोद यादव, सीईओ बीडीए श्री श्याम वीर सिंह एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में संभागायुक्त ने निर्देश दिए कि बीडीए और नगर निगम के अधिकारी विभिन्न अंर्तविभागीय विषयों पर आपस में चर्चा करें और संयुक्त रूप से फील्ड विजिट कर विकास कार्यों में आ रहे अवरोधों को दूर करें। साथ ही कार्यों की प्रगति पर प्रति सप्ताह चर्चा करें। शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन में बिल्कुल विलंब नहीं होना चाहिए। कार्यों की गुणवत्ता का भी पूरा - पूरा ध्यान रखा जाए। बैठक में बताया गया कि भोपाल विकास प्राधिकरण द्वारा बनाए गए कुल 695 ई.डब्ल्यू.एस और एल.आई.जी फ्लेट्स नगर निगम को हस्तांतरित किए जाने हैं, जिनमें नवीबाग में 312, राजा भोज फेस-2 में 257 और शहीद भगत सिंह क्षेत्र में 126 फ्लेट्स हैं। संभागायुक्त ने इनके हस्तांतरण की कार्रवाई शीघ्र पूर्ण किए जाने के निर्देश दिए।

जोधपुर-भोपाल एक्सप्रेस में अस्थायी रूप से लगेगा एक अतिरिक्त सामान्य श्रेणी का कोच

भोपाल



रेल यात्रियों की सुविधा तथा ट्रेनों में बढ़ते यात्रीभार को ध्यान में रखते हुए रेल प्रशासन द्वारा गाड़ी संख्या 14813/14814 जोधपुर-भोपाल-जोधपुर एक्सप्रेस में अस्थायी रूप से एक अतिरिक्त सामान्य श्रेणी का कोच लगाने का निर्णय लिया गया है। गाड़ी संख्या 14813 जोधपुर-भोपाल एक्सप्रेस 01 नवंबर से 30 नवंबर 2026 तक तथा गाड़ी संख्या 14814 भोपाल-जोधपुर एक्सप्रेस में 02 नवंबर से 01 दिसंबर 2026 तक एक अतिरिक्त सामान्य श्रेणी कोच के साथ संचालित की जायेगी। सीनियर डीसीएम श्री सौरभ कटारिया ने बताया कि भोपाल-जोधपुर-भोपाल एक्सप्रेस अतिरिक्त कोच के लगने से उक्त अवधि में यात्रा करने वाले यात्रियों को सामान्य श्रेणी में अधिक स्थान उपलब्ध होगा तथा भीड़ के दौरान यात्रा करने में सुविधा मिलेगी। रेल प्रशासन यात्रियों से अनुरोध करता है कि इस सुविधा का लाभ उठाएं तथा यात्रा संबंधी नवीनतम जानकारी के लिए रेलवे के अधिकृत पूछताछ माध्यमों का उपयोग करें।

'मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान' के उद्देश्यों की पूर्ति की दिशा में 'संपर्क अभियान 2026' को मिली बड़ी सफलता

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

7103 शिविरों में 3 लाख 9 हजार 263 शिकायतों का मौके पर निराकरण

बिजली उपभोक्ताओं की समस्याओं का उनके घर के नजदीक त्वरित समाधान उपलब्ध कराने तथा मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के उद्देश्यों की पूर्ति की दिशा में मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा संचालित 'संपर्क अभियान 2026' को उल्लेखनीय सफलता मिली है। 14 मई से प्रारंभ हुए इस विशेष अभियान के अंतर्गत भोपाल एवं ग्वालियर रीजन के 16 जिलों में अब तक 7103 विशेष शिविर आयोजित किए जा चुके हैं, जिनमें 3 लाख 9 हजार 263 उपभोक्ताओं की शिकायतों का मौके पर ही त्वरित निराकरण किया गया। अभियान के माध्यम से उपभोक्ताओं को स्थानीय स्तर पर सुविधाजनक एवं त्वरित समाधान उपलब्ध कराते हुए विद्युत सेवाओं में पारदर्शिता, सुगमता और उपभोक्ता संतुष्टि को बढ़ावा दिया जा रहा है।भोपाल रीजन के अंतर्गत शहर वृत्त भोपाल में 522 शिविरों में 33,252 शिकायतों का निराकरण किया गया। बैतूल वृत्त में 628 शिविरों में 40,608 शिकायतों का निराकरण, भोपाल (ओ एंड एम) वृत्त में 366 शिविरों में 13,852 शिकायतों का निराकरण, हरदा वृत्त में 190 शिविरों में 22,578 शिकायतों का निराकरण, नर्मदापुरम वृत्त में 482 शिविरों में 33,956 शिकायतों का निराकरण, रायसेन वृत्त में 357 शिविरों में 20,421 शिकायतों का निराकरण, राजगढ़ वृत्त में 515 शिविरों में 8,183 शिकायतों का निराकरण, सीहोर वृत्त में 456 शिविरों में 11,014 शिकायतों का निराकरण तथा विदिशा वृत्त में 306 शिविरों में 16,557 शिकायतों का निराकरण किया गया।

पावरग्रिड ने वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही में समेकित आधार पर 3866 करोड़ का कर पश्चात लाभ (पीएटी) दर्ज किया

नई दिल्ली। पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमटेड मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक महारत्न कं पनी ने 30 सितंबर, 2026 को समाप्त हुई वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही एवं पहली छमाही कंवित्तीय परिणामों की घोषणा की है। वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही में, कंपनी नेएकल आधार पर क्रमशः 3,819 करोड़ का कर पश्चात लाभ (पीएटी) और 11,900 करोड़ की कु ल आय दर्जकी। वहीं, समेकित आधार पर कं पनी का कर पश्चात लाभ 3,866 करोड़ और कु ल आय 12,055 करोड़ रही, जो गत वर्षकी इसी अविध की तुलना मेंक्रमशः 8% और 3% की वृद्धि दर्शाती है।कं पनी ने 30 सितंबर, 2026 तक समेकित आधार पर 16,864 करोड़ का पूंजीगत व्यय किया तथा 9,300 करोड़ की परिसंपत्तियों का पूंजीकरण किया । 30 सितंबर, 2026 तक समेकित आधार पर पावरग्रिड की सकल अचल परिसंपत्तियां 3,29,852 करोड़ रहीं।वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही के अंत में, पावरग्रिड एवं उसकी सहायक कंपिनयों की कु ल पारेषण परिसंपत्तियों में 1,87,576 सर्किट किलोमीटर पारेषण लाइनें, 293 सबस्टेशन तथा 6,49,116 एमवीए की ट्रांसफॉर्मेशन क्षमता शामिल रही। पावरग्रिड नेदूसरी तिमाही तक 99.81% की औसत पारेषण प्रणाली उपलब्धता बनाए रखी।

भोपाल में ट्रांसमिशन लाइनों के प्रतिबंधित कॉरिडोर में जोखिम भरे निर्माण, 853 नोटिस जारी



■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

132 केवी के लिए 27 और 220 केवी के लिए 35 मीटर सुरक्षा कॉरिडोर

निर्धारित सुरक्षा मानकों के अनुसार, 132 केवी ट्रांसमिशन लाइन के दोनों ओर 27 मीटर और 220 केवी लाइन के दोनों ओर 35 मीटर का प्रतिबंधित कॉरिडोर निर्धारित है। इन क्षेत्रों में निर्धारित मानकों के विपरीत निर्माण होने पर गंभीर विद्युत जोखिम पैदा हो सकते हैं। तेज हवा में तारों के झूलने अथवा अन्य परिस्थितियों में भवनों और संरचनाओं के नजदीक विद्युत आर्क बनने से भी जानलेवा दुर्घटना की आशंका रहती है। इसके अलावा ऐसे निर्माण ट्रांसमिशन लाइनों के रखरखाव और निर्बाध विद्युत आपूर्ति में भी बाधा बन सकते हैं।

राजधानी भोपाल में अति उच्च दाब (ईएचटी) ट्रांसमिशन लाइनों के प्रतिबंधित कॉरिडोर में हो रहे निर्माण अब नागरिक सुरक्षा के साथ राजधानी भोपाल की विद्युत व्यवस्था के लिए भी चुनौती बनते जा रहें हैं। शहर की तीन प्रमुख 132 केवी ट्रांसमिशन लाइनों के राइट ऑफ वे (आरओडब्ल्यू) क्षेत्र में सामने आए मानव जीवन के लिये खतरा बने इन निर्माणों के संबंध में अब तक 853 नोटिस जारी किए जा चुके हैं। मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी(एमपी ट्रांसको) ने इन निर्माणों से संभावित विद्युत दुर्घटनाओं को देखते हुए स्थानीय प्रशासन के सहयोग से जागरूकता अभियान चलाने और संबंधित निर्माणकर्ताओं को सुरक्षा मानकों की जानकारी देने की तैयारी की है। एमपी ट्रांसको भोपाल के अधीक्षण अभियंता श्री सुधीर नेमा ने बताया कि भोपाल में जिन तीन 132 केवी ट्रांसमिशन लाइनों के आरओडब्ल्यू क्षेत्र में निर्माण के मामले सामने आए हैं, उनमें गोविंदपुरा भोपाल-बैरागढ़ टैप लालघाटी, भोपाल-आईटी पार्क और भोपाल-अमरावतखुर्द ट्रांसमिशन लाइन शामिल हैं। इन लाइनों के आसपास विभिन्न स्थानों पर निर्माण होने से निर्धारित विद्युत क्लियरेंस बनाए रखने की चुनौती सामने आई है। भोपाल में गोविंदपुरा औद्योगिक क्षेत्र, करोंद, नारियलखेड़ा, देवकीनंदन नगर, बैरागढ़, आनंद नगर, जैन कॉलोनी कलियासोत, रतनपुरऔर आसपास के क्षेत्रों में ट्रांसमिशन लाइनों के नजदीक तेजी से शहरी विस्तार हुआ है जहां पर ट्रांसमिशन लाइन के प्रतिबंधित कारीडोर में नियम विरुद्ध निर्माण कर लिए गए हैं। सुधीर नेमा के अनुसार, भोपाल और आसपास के क्षेत्रों में ट्रांसमिशन लाइनों के प्रतिबंधित कॉरिडोर में निर्माण के संबंध में अब तक 853 नोटिस जारी किए गए हैं। कंपनी संबंधित निर्माणकर्ताओं को विद्युत सुरक्षा प्रावधानों की जानकारी देने के साथ स्थानीय प्रशासन के सहयोग से जागरूकता अभियान भी चलाएगी। संभावित विद्युत दुर्घटनाओं और व्यवधानों की रोकथाम के लिए मध्य प्रदेश हाई कोर्ट से प्राप्त निर्देशों के अनुरूप कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। कंपनी ने नागरिकों से प्रतिबंधित कॉरिडोर में निर्माण नहीं करने और निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन करने की अपील की है। ट्रांसमिशन लाइनों के प्रतिबंधित क्षेत्र में निर्माण की अनुमति दिए जाने का मुद्दा जबलपुर में मध्य प्रदेश हाई कोर्ट तक पहुंच चुका है।

मध्यप्रदेश पिछड़ा वर्ग विदेश अध्यन छात्रवृत्ति के लिए आवेदन आमंत्रित

भोपाल। मध्यप्रदेश शासन के पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा राज्य के अन्य पिछड़ा वर्ग के प्रतिभावान विद्यार्थियों को विदेश में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के उद्देश्य से 'विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति योजना 2026-27' के तहत ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। योजना के अंतर्गत चयनित मेधावी विद्यार्थियों को शीर्ष विदेशी विश्वविद्यालयों और संस्थानों में स्नातकोत्तर, शोध उपाधि तथा पोस्ट-पीएचडी पाठ्यक्रमों में अध्ययन के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। इच्छुक अभ्यर्थी विभाग के आधिकारिक पोर्टल पर जाकर अपना प्रोफाइल रजिस्ट्रेशन करने के बाद ऑनलाइन आवेदन लॉक कर सकते हैं। प्रोफाइल पंजीयन के लिए समग्र आईडी के साथ डिजिटल जाति, आय और मूल निवासी प्रमाण पत्र का लिंक होना आवश्यक है। ऑनलाइन फॉर्म लॉक करने के 15 दिनों के भीतर आवेदन का प्रिंटआउट और सभी स्वप्रमाणित दस्तावेजों की प्रतियां आयुक्त कार्यालय, पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण (विंध्याचल भवन, द्वितीय तल, 'क'/'ख' विंग, भोपाल - 462004) में डाक द्वारा या व्यक्तिगत रूप से जमा करना अनिवार्य है।

पेंशनर्स के लिए भोपाल मंडल में नवंबर माह के दौरान लगेंगे विशेष शिविर

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**



रेलवे पेंशनर्स की सुविधा एवं कल्याण को ध्यान में रखते हुए पश्चिम मध्य रेल, भोपाल मंडल द्वारा 01 से 30 नवंबर 2026 तक राष्ट्रीय डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र अभियान-5 का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत पेंशनर्स को डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र ऑनलाइन जमा करने की प्रक्रिया का प्रत्यक्ष प्रदर्शन एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। साथ ही पेंशनर्स के स्वास्थ्य परीक्षण की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। इन शिविरों का उद्देश्य पेंशनर्स को डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र जमा करने की प्रक्रिया से अवगत कराना, उन्हें बैंकिंग एवं डिजिटल सुविधाओं का लाभ दिलाना तथा उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। भोपाल मंडल के पांच चिकित्सा संस्थानों में निर्धारित तिथियों पर विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे। 04 नवंबर 2026: मंडल रेल चिकित्सालय, निशातपुरा। 05 नवंबर 2026: पॉलीक्लीनिक, हबीबगंज। 12 नवंबर 2026: डीजल शेड, इटारसी। 19 नवंबर 2026: उप मंडलीय रेलवे चिकित्सालय, बीना। 26 नवंबर 2026: उप मंडलीय रेलवे चिकित्सालय, गुना। इन शिविरों में पेंशनर्स को डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र ऑनलाइन अपलोड करने का प्रत्यक्ष प्रदर्शन एवं प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके साथ ही स्वास्थ्य परीक्षण भी किया जाएगा। बैंकिंग सुविधाओं के लिए भी लगेंगे विशेष शिविर पेंशनर्स को बैंकिंग संबंधी सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विभिन्न बैंकों के सहयोग से भी विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे। इनकी निर्धारित तिथियां एवं स्थान इस प्रकार हैं– 03 नवंबर 2026: भोपाल एवं विदिशा में भारतीय स्टेट बैंक तथा इटारसी में पंजाब नेशनल बैंक। 10 नवंबर 2026: इटारसी में भारतीय स्टेट बैंक। 17 नवंबर 2026: नर्मदापुरम एवं बीना में भारतीय स्टेट बैंक। 25 नवंबर 2026: गुना एवं शाजापुर में भारतीय स्टेट बैंक। इन शिविरों में बैंक प्रतिनिधियों एवं रेलवे के संबंधित अधिकारियों द्वारा पेंशनर्स को आवश्यक बैंकिंग सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। 80 वर्ष से अधिक आयु के पेंशनर्स को घर पर मिलेगी सहायता रेल प्रशासन द्वारा 80 वर्ष से अधिक आयु के पेंशनर्स की सुविधा का विशेष ध्यान रखते हुए क्षेत्रीय कल्याण निरीक्षकों को प्रत्येक मंगलवार को पेंशनर्स के घर जाकर उनसे संपर्क करने एवं उनकी समस्याओं के निराकरण में सहायता करने के निर्देश दिए गए हैं। यह सुविधा इटारसी, न्यू यार्ड इटारसी, भोपाल, हरदा, बीना एवं गुना क्षेत्रों में उपलब्ध कराई जाएगी।

दीपावली एवं छठ पर्व पर यात्रियों की सुविधा के लिए रानी कमलापति से रीवा, गोरखपुर एवं दानापुर के लिए चलेंगी तीन स्पेशल ट्रेनें

तीनों स्पेशल ट्रेनें एक-एक फेरे में होंगी संचालित, भोपाल मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर मिलेगा ठहराव

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

दीपावली एवं छठ पर्व के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुए रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए रानी कमलापति स्टेशन से रीवा, गोरखपुर एवं दानापुर के लिए तीन स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। इन ट्रेनों से भोपाल मंडल सहित विभिन्न स्टेशनों के यात्रियों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। 1. रानी कमलापति-रीवा स्पेशल ट्रेन (02185/02186) गाड़ी संख्या 02185 रानी कमलापति-रीवा स्पेशल ट्रेन दिनांक 05 नवंबर 2026 (गुरुवार) को रानी कमलापति स्टेशन से रात 22:15 बजे प्रस्थान कर अगले दिन शुक्रवार को सुबह 07:20 बजे रीवा पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 02186 रीवा-रानी कमलापति स्पेशल ट्रेन दिनांक 06 नवंबर 2026 (शुक्रवार) को रीवा से दोपहर 12:30 बजे प्रस्थान कर उसी दिन रात 21:15 बजे रानी कमलापति स्टेशन पहुंचेगी। इस ट्रेन का मार्ग एवं ठहरावः गाड़ी संख्या 02185 (रानी कमलापति से रीवा): रानी कमलापति से प्रस्थान 22:15 बजे, विदिशा आगमन 23:08 बजे एवं प्रस्थान 23:10 बजे, बीना जंक्शन आगमन अगले दिन 00:20 बजे एवं प्रस्थान 00:25 बजे, सागर आगमन 01:30 बजे एवं प्रस्थान 01:35 बजे, दमोह आगमन 02:40 बजे एवं प्रस्थान 02:45 बजे, कटनी मुड़वारा आगमन 04:10 बजे एवं प्रस्थान 04:15 बजे, मैहर आगमन 05:35 बजे एवं प्रस्थान 05:40 बजे, सतना आगमन 06:15 बजे एवं प्रस्थान 06:20 बजे तथा रीवा आगमन 07:20 बजे होगा। गाड़ी संख्या 02186 (रीवा से रानी कमलापति): रीवा से प्रस्थान 12:30 बजे, सतना आगमन 13:20 बजे एवं प्रस्थान 13:25 बजे, मैहर आगमन 13:50 बजे एवं प्रस्थान 13:52 बजे, कटनी मुड़वारा आगमन 14:50 बजे एवं प्रस्थान 14:55 बजे, दमोह आगमन 16:10 बजे एवं प्रस्थान 16:15 बजे, सागर आगमन 17:15 बजे एवं प्रस्थान 17:20 बजे, बीना जंक्शन



आगमन 18:45 बजे एवं प्रस्थान 18:50 बजे, विदिशा आगमन 19:50 बजे एवं प्रस्थान 19:52 बजे तथा रानी कमलापति स्टेशन आगमन 21:15 बजे होगा। 2. रानी कमलापति-गोरखपुर स्पेशल ट्रेन गाड़ी संख्या 01663 रानी कमलापति-गोरखपुर स्पेशल ट्रेन दिनांक 07 नवंबर 2026 को रानी कमलापति स्टेशन से शाम 18:45 बजे प्रस्थान कर अगले दिन रविवार को दोपहर 12:30 बजे गोरखपुर पहुंचेगी। इस ट्रेन का मार्ग एवं ठहरावः गाड़ी संख्या 01663 (रानी कमलापति से गोरखपुर): रानी कमलापति से प्रस्थान 18:45 बजे, विदिशा आगमन 19:28 बजे एवं प्रस्थान 19:30 बजे, बीना जंक्शन आगमन 22:00 बजे एवं प्रस्थान 22:02 बजे, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी आगमन अगले दिन 00:05 बजे एवं प्रस्थान 00:07 बजे, उरई आगमन 01:25 बजे एवं प्रस्थान 01:27 बजे, कानपुर सेंट्रल आगमन 04:10 बजे एवं प्रस्थान 04:15 बजे, लखनऊ आगमन 06:20 बजे एवं प्रस्थान 06:30 बजे, बाराबंकी आगमन 08:04 बजे एवं प्रस्थान 08:06 बजे, बुढ़वल आगमन 08:36 बजे एवं प्रस्थान 08:38 बजे, गोंडा आगमन 09:35 बजे एवं प्रस्थान 09:40 बजे, मनकापुर आगमन 10:07 बजे एवं प्रस्थान 10:09 बजे, बस्ती आगमन 11:00 बजे एवं प्रस्थान 11:02 बजे, खलीलाबाद आगमन 11:28 बजे एवं प्रस्थान 11:30 बजे तथा गोरखपुर आगमन 12:30 बजे होगा। गाड़ी संख्या 01664 (गोरखपुर से रानी कमलापति): गोरखपुर से प्रस्थान 07:50 बजे, खलीलाबाद आगमन 08:27 बजे एवं प्रस्थान 08:29 बजे, बस्ती आगमन 08:54 बजे एवं प्रस्थान 08:56 बजे, मनकापुर आगमन 09:44 बजे एवं प्रस्थान 09:46 बजे, गोंडा आगमन 10:10 बजे एवं प्रस्थान 10:15 बजे, बुढ़वल आगमन 11:03 बजे एवं प्रस्थान 11:05 बजे, बाराबंकी आगमन 12:05 बजे एवं प्रस्थान 12:07 बजे, लखनऊ आगमन 13:05 बजे एवं प्रस्थान 13:15 बजे, कानपुर सेंट्रल आगमन 15:05 बजे एवं प्रस्थान 15:10 बजे, उरई आगमन 16:37 बजे एवं प्रस्थान 16:39 बजे, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी आगमन 18:30 बजे एवं प्रस्थान 18:35 बजे, बीना जंक्शन आगमन 21:10 बजे एवं प्रस्थान 21:15 बजे, विदिशा आगमन 23:15 बजे एवं प्रस्थान 23:17 बजे तथा रानी कमलापति स्टेशन आगमन अगले दिन 01:15 बजे होगा। 3. रानी कमलापति-दानापुर स्पेशल ट्रेन गाड़ी संख्या 01661 रानी कमलापति-दानापुर स्पेशल ट्रेन दिनांक 11 नवंबर 2026 (बुधवार) को रानी कमलापति स्टेशन से दोपहर 14:25 बजे प्रस्थान कर अगले दिन गुरुवार को सुबह 09:15 बजे दानापुर पहुंचेगी।

स्वामी एक सत प्रयास जनकल्याण समिति के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक **अमित शर्मा** द्वारा प्रकाशन स्थल बी-9 विवेक विहार कॉलोनी, लश्कर ग्वालियर (म.प्र.) पिन-474001 से प्रकाशित एवं सर्वोदय ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस, नया बाजार केनरा बैंक के पास ग्वालियर (म.प्र.)-474001 से मुद्रित। स्थानीय संपादक राजीव शुक्ल* पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।
RNI - MPHIN/2019/79098/ E-mail: EKSATBULLETIN@GMAIL.COM, WWW.EKSATBULLETIN.IN, मार्केटिंग एवं अन्य जानकारी हेतु हेड ऑफिस संपर्क करें- ए-1 माचना कॉलोनी, शा.राजीव गांधी हाई स्कूल शिवाजी नगर 6 नंबर बस स्टाप पास भोपाल। फोन: 0755-4515227, मोबाइल: 9691653088